मानसून सत्र में आयकर विधेयक-2025 पेश करेगी केंद्र सरकार, संसदीय समिति ने दिए हैं 285 सुझाव

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा, जो कि 21 अगस्त तक चलेगा. केंद्र सरकार मानसून सत्र में आयकर विधेयक–2025 को पेश और पास करवाएगी. आयकर विधेयक–2025 को लोकसभा की 31 सदस्यीय सेलेक्ट समिति ने आज सर्वसम्मति से एडॉप्ट कर लिया है. इसके साथ ही अब इस विधेयक के पारित होने का रास्ता साफ हो गया है. इस बिल को इस साल बजट सत्र के दौरान संसद में पेश किया गया था. यह उम्मीद जताई जा रही है कि यह विधेयक मानसून सत्र में पारित हो जाएगा. खास बात ये है कि इस बिल के विरोध में विपक्षी दल के किसी भी सांसद ने विरोध नहीं दर्ज करवाया है. बीजेपी नेता बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली इस संसदीय समिति ने इस मसौदा कानून में कुल 285 सुझाव दिए हैं.

दैनिक दीन बन्धु
राजधानी का अखबार

RNI.NO. MPHIN/2012/42537
भोपाल, गुरुवार
17.07.2025
वर्ष : 13
अंक : 207
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1/-
युगाब्द 5127
विक्रम संवत 2082

ब्रीफ न्यूज

चीन-पाक और तुर्की की तिकड़ी की निकलेगी हेकड़ी, भारत ले आया नया एयर डिफेंस सिस्टम

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन, पाकिस्तान और तुर्की की तिकड़ी को पूरी दुनिया ने देखा। अब इस तिकड़ी की हेकड़ी निकालने के लिए भारत एक और नया एयर डिफेंस सिस्टम लेकर आ गया है। भारतीय सेना ने बुधवार को डीआरडीओ द्वारा बनाए गए आकाश प्राइम डिफेंस सिस्टम का 15 हजार फीट की ऊंचाई पर लद्दाख सेक्टर में सफलतापूर्वक ट्रायल किया। इस नए डिफेंस सिस्टम की सफलता के बाद अब भविष्य में कोई भी दुश्मन देश, भारत पर आंख उठाने की कोशिश भी करता है, तो उसकी हार होना तय है। रक्षा अधिकारी ने बताया, परीक्षणों के दौरान, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों ने अत्यंत ऊंचाई वाले क्षेत्र में तेज गति से चलने वाले लक्ष्य विमानों पर दो सीधे प्रहार किए। आकाश प्राइम सिस्टम भारतीय सेना में आकाश एयर डिफेंस सिस्टम की तीसरी और चौथी रेजिमेंट का गठन करेगी। इस सिस्टम ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीनी विमानों और तुर्की ड्रोनों का उपयोग करके पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए हवाई हमलों को विफल करने में भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

यौन शोषण मामले में पूर्व कुलपति पर 35 लाख का जुर्माना

ग्वालियर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने ग्वालियर स्थित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान के पूर्व कुलपति दिलीप दुरेहा को यौन शोषण करने के मामले में दोषी ठहराते हुए उन पर इसके लिए 35 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही कोर्ट ने इस मामले में मध्य प्रदेश सरकार पर 5 लाख रुपए और संस्थान पर भी 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। 15 जुलाई को दिए अपने फैसले में उच्च न्यायालय की ग्वालियर पीठ ने दुरेहा पर लगे महिला योग प्रशिक्षक के उत्पीड़न के आरोप को सही पाया। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पूर्व कुलपति डुरेहा का जिक्र करते हुए कहा कि संस्थान एक ऐसे व्यक्ति के नियंत्रण में था जो सेवा में बने रहने के योग्य नहीं था। अपने फैसले में जस्टिस मिलिंद रमेश फड़के की पीठ ने राज्य सरकार पर लगाए 5 लाख रुपए के जुर्माने को उस पुलिस अधिकारी से वसूलने का निर्देश दिया, जिसने शिकायत मिलने के बाद भी FIR दर्ज नहीं की थी। यह मामला छह साल पहले यानी साल 2019 का है।

हाईकोर्ट बोला : माशिमं से 12वीं पास करने वाले ही श्रेणी सुधार आवेदन के पात्र

इंदौर। श्रेणी सुधार के मामले में हाई कोर्ट की युगलपीठ ने महत्वपूर्ण फैसला दिया है। कोर्ट ने एकलपीठ के फैसले को निरस्त करते हुए कहा है कि जिस छात्र ने 12 की परीक्षा माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) से उत्तीर्ण की है सिर्फ वही श्रेणी सुधार के लिए माशिमं से दोबारा परीक्षा दे सकता है। अन्य किसी बोर्ड से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाला श्रेणी सुधार के लिए माशिमं से दोबारा परीक्षा नहीं दे सकता। मामला छात्र ऋग्वेद और अन्य का है। इन छात्रों ने इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकंडरी एजुकेशन, नईदिल्ली (आईसीएसई) से 12 की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। इन छात्रों ने अपनी श्रेणी सुधारने के लिए एक बार फिर माध्यमिक शिक्षा मंडल से मान्यता प्राप्त स्कूल में प्रवेश लिया। उन्होंने परीक्षा फार्म भरा लेकिन माशिमं ने यह कहते हुए इन्हें रोक दिया था। माशिमं से 12 की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले ही श्रेणी सुधार के लिए दोबारा परीक्षा दे सकते हैं।

चाहो तो साथ आ जाओ...2029 तक विपक्ष में नहीं जाएंगे, उद्धव ठाकरे को सीएम फडणवीस ने दिया खुला ऑफर

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल मच गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में बड़ा बयान देते हुए कहा कि 2029 तक भाजपा या उनका गठबंधन विपक्ष में जाने वाला नहीं है। उन्होंने शिवसेना (उद्धव गुट) प्रमुख उद्धव ठाकरे को इशारों में सत्ता पक्ष में शामिल होने का ऑफर भी दिया। यह बयान उस वक्त आया है जब बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव नजदीक हैं और राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। भाजपा की यह रणनीति बीएमसी चुनाव से पहले शिवसेना (उद्धव गुट) की स्थिति को कमजोर करने का प्रयास भी हो सकती है। विधान परिषद सत्र के दौरान बोलते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कम से कम 2029 तक हमारे विपक्ष में जाने की कोई संभावना नहीं है। यह बयान राजनीतिक आत्मविश्वास को दर्शाता है। भरी विधान परिषद में उन्होंने कि उद्धव जी चाहें तो इस तरफ आने के बारे में सोच सकते हैं। कम से कम 2029 तक तो हम विपक्ष में नहीं आएंगे। ऐसे में अब एक और संभावित गठबंधन की अटकलें तेज हो गई हैं।

स्पेन में निवेशकों से बोले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

एमपी में वो सबकुछ जो आप चाहते हैं, मिलेंगी वर्ल्ड क्लास सुविधाएं

स्पेन ■ एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्पेन के मैड्रिड में इन्वेस्ट इन मध्यप्रदेश बिजनेस फोरम को संबोधित किया। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने निवेशकों को आमंत्रित करते हुए कहा कि अगर आप भारत के किसी और राज्य में भी उद्योग स्थापित करते हैं तो भी आपको मध्यप्रदेश की आवश्यकता पड़ेगी। मध्यप्रदेश हाईवे, रेल, हवाई मार्ग से सीधा जुड़ा है। प्रदेश सभी सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ने वाला राज्य बना है। यह राज्य देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान में अहम भूमिका निभाता है। प्रदेश में फूड प्रोसेसिंग, सोलर एनर्जी, विंड एनर्जी, एग्री बेस्ड इंडस्ट्री और टेक्सटाइल सेक्टर में बड़ी संभावनाएं हैं। राज्य सभी सेक्टर में निवेशकों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं देने की क्षमता रखता है। इस दौरान मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश की अपार संभावनाओं पर केंद्रित लघु फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम में प्रदेश के अधिकारियों ने भी निवेशकों को कई अहम जानकारियां दीं। बता दे कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दुबई दौरे के बाद स्पेन पहुंचे। वे यहां 19 जुलाई तक मध्यप्रदेश में निवेश को लेकर दौरे पर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और स्पेन दो प्राचीन सभ्यताएं हैं। दोनों देशों ने नैतिक मूल्यों के आधार पर संस्कृति को आगे बढ़ाया। एक प्रकार से दोनों भाई-भाई हैं। भारत प्रकृति से प्रेम करने वाला देश है। तकनीक के क्षेत्र में स्पेन की भी अलग पहचान है। मध्य प्रदेश में खनिज, पर्यटन, उद्योग स्थापित करने की अपार संभावनाएं हैं। भारत में एमपी टूरिज्म सबसे तेजी बढ़ रहा है। आप लोग मध्यप्रदेश से जुड़िए। केंद्र सरकार की ओर से मध्यप्रदेश को कई तरह की छूट मिल रही हैं। मध्य प्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल के करीब है। उन्होंने कहा कि स्पेन ने फुटबॉल से भी अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। हमारे प्रदेश में मेडिकल कॉलेज की संख्या बढ़ाई जा रही है और नई मेडिकल डिवाइस कंपनियां स्थापित हो रही हैं। इससे प्रदेश में मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा मिल रहा है। स्पेन आर्थिक व्यापार के मामले में भारत का छठा सबसे बड़ा साझेदार है। स्पेन के साथ 9.32 बिलियन डॉलर का व्यापार हो रहा है। आपके द्वारा बढ़ाया हर एक कदम व्यापार की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगा। मध्य प्रदेश को भरपूर भू-संपदा उपलब्ध है, जिसमें नई तकनीक का इस्तेमाल करने से अपार संभावनाएं बनेंगी। मध्य प्रदेश लॉजिस्टिक सेक्टर में अग्रणी बनने के लिए कार्य कर रहा है।

स्पेन यात्रा विकास और समृद्धि की दिशा में कदम

सीपीआर डॉ. सुदाम खाड़े ने स्पेन में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सबसे तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था बन चुका है। यह यात्रा केवल सांस्कृतिक नहीं, बल्कि आर्थिक, औद्योगिक और रणनीतिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने इसे विकास और समृद्धि के लिए एक ऐतिहासिक अवसर बताया। प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योग और रोजगार के लिए उत्कृष्ट वातावरण है और भारत व स्पेन के बीच 5.93 बिलियन डॉलर के व्यापारिक संबंध मौजूद हैं, जो निवेश की अपार संभावनाएं दर्शाते हैं। प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश में 47त्न वर्किंग पॉपुलेशन है और यहां वर्क–लाइफ बैलेंस दिखाई देता है। बिजली, पानी की कोई कमी नहीं है और राज्य नवकरणीय ऊर्जा में अग्रणी है। यहां 550 त्नङ्ख उत्पादन का लक्ष्य है। प्रदेश में 5 लाख किलोमीटर सड़कों का नेटवर्क है, 55 निजी विश्वविद्यालय हैं और रोजगारपरक कोर्स संचालित हो रहे हैं। फूड प्रोसेसिंग, ऑटो, आईटी, फार्मा जैसे क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश की उद्योग केंद्रित नीतियां उत्कृष्ट हैं और उद्योगपतियों को 40त्न तक निवेश प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

नाटो की भारत पर 100% टैरिफ लगाने की धमकी

नाटो बोला : इंडियन पीएम हों या चीनी राष्ट्रपति, रूस को जंग रोकने को कहें, वरना नतीजा भुगतना होगा

वाशिंगटन ■ एजेंसी

नाटो ने भारत, चीन और ब्राजील पर 100% टैरिफ लगाने की धमकी दी है। नाटो महासचिव मार्क रूट ने बुधवार को कहा कि अगर आप चीन के राष्ट्रपति, भारत के प्रधानमंत्री या ब्राजील के राष्ट्रपति हैं, तो आपको यह समझना होगा कि रूस के साथ व्यापार जारी रखने का भारी नुकसान हो सकता है। रूट ने बुधवार को अमेरिकी सीनेटरों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इन तीनों देशों को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव डालना चाहिए, ताकि वह शांति वार्ता को गंभीरता से लें। रूट ने तीनों देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाने की भी धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर ये देश रूस से तेल और गैस खरीदना जारी रखते हैं तो इन देशों पर 100% सेकेंडरी प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

रूस बोला- अपनी नीतियां नहीं बदलेंगे

वहीं, रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रियाबकोव ने अमेरिका और नाटो की धमकियों को खारिज किया। उन्होंने कहा, रूस ट्रम्प के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इस तरह के अल्टीमेटम मंजूर नहीं हैं। रियाबकोव ने कहा कि रूस आर्थिक दबाव के बावजूद अपनी नीतियां नहीं बदलेगा और ऑप्शनल बिजनेस रूट तलाशेगा। नाटो महासचिव की यह चेतावनी उस समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन को नए हथियार देने और रूस के व्यापारिक साझीदारों पर भारी टैक्स लगाने की घोषणा की है। अमेरिका अब यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल जैसे आधुनिक हथियार देने वाला है, ताकि वह रूस के हमलों से बच सके।

दो दिन पहले ट्रम्प ने रूस पर 100% टैरिफ की धमकी दी : ट्रम्प ने सोमवार को रूस पर यूक्रेन से जंग खत्म करने का दबाव डालने के लिए भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रम्प ने कहा था– मैं ट्रेड को कई चीजों के लिए इस्तेमाल करता हूं, लेकिन यह युद्ध खत्म करने के लिए बहुत अच्छा है। ट्रम्प ने कहा था कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 50 दिन में यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं किया.

बाणसागर के 8, सतपुड़ा डैम के 5 गेट खुले

प्रदेश में नादियां उफनी, डिंडौरी में नर्मदा में मंदिर डूबे

आलीराजपुर/भोपाल ■ ब्यूरो

मध्यप्रदेश में तेज बारिश का दौर जारी है। आज 18 जिलों में अति भारी या भारी बारिश का अलर्ट है। आलीराजपुर में सुबह 6 बजे से हो रही लगातार बारिश से उर नदी में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। पुलिया से 3 फीट ऊपर पानी बह रहा है। पानी घरों में घुस गया है। शहडोल के बाणसागर डैम के 8 गेट खोल दिए गए हैं। वहीं, बैतूल जिले के सारणी में सतपुड़ा बांध के 5 गेट 2 फीट तक खोले गए हैं। इन गेटों को बुधवार सुबह 10¬45 बजे खोलकर 8390 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। डिंडौरी और मंडला में भी तेज बारिश जारी है। यहां नर्मदा नदी में पानी बढ़ रहा है। कई जगहों पर पुल डूब गए हैं। मंडला के सुभाष वार्ड में पानी निकासी नहीं होने के चलते सड़क पर तीन फीट के ऊपर पानी भर गया है। डिंडौरी में नर्मदा घाटों पर बने मंदिर डूब गए हैं। मंगलवार को ग्वालियर, भोपाल, इंदौर समेत 25 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। सबसे ज्यादा ग्वालियर में 2.3 इंच पानी गिर गया। खरगोन में डेढ़ इंच, सीधी में 1 इंच और उमरिया में आधा इंच से ज्यादा पानी गिरा। शाजापुर और रायसेन में भी तेज बारिश का दौर चला। भोपाल, दतिया, इंदौर, नर्मदापुरम, श्योपुर, शिवपुरी, मंडला, सागर, सिवनी, बालाघाट, शाजापुर, राजगढ़, सीहोर, आगर-मालवा, देवास समेत कई जिलों में हल्की बारिश दर्ज की गई। हालांकि, बीते 24 घंटे में बारिश या वर्षाजनित हादसों में किसी मौत की खबर नहीं है।

मोदी सरकार ने किसानों को दी बड़ी सौगात

पीएम धन धान्य कृषि योजना को कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' को मंजूरी दी है। यह योजना वित्त वर्ष 2025-26 से शुरू होकर अगले 6 साल तक लागू की जाएगी और देश के 100 जिलों को कवर करेगी। 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि' योजना, नीति आयोग के 'आकांक्षी जिला कार्यक्रम' की पहल से प्रेरित है। यह कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों पर केंद्रित अपनी तरह की पहली योजना होगी। इस योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता में वृद्धि, फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाना, पंचायत और ब्लॉक स्तर पर फसल कटाई के बाद भंडारण की सुविधा बढ़ाना, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक कृषि ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इस योजना का क्रियान्वयन 11 मंत्रालयों की 36 मौजूदा योजनाओं, राज्य सरकारों की योजनाओं और निजी क्षेत्र के साथ स्थानीय भागीदारी के जरिए किया जाएगा। योजना के लिए कम उत्पादकता, कम फसल सघनता और कम ऋण वितरण जैसे तीन प्रमुख बिंदुओं के आधार पर 100 जिलों की पहचान की जाएगी। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में जिलों का चयन नेट क्रॉप एरिया और ऑपरेशनल होल्डिंग्स के आधार पर किया जाएगा। हालांकि, प्रत्येक राज्य से कम से कम एक जिले का चयन होगा। योजना की इफेक्टिव प्लानिंग, इंप्लीमेंटेशन और मॉनिटरिंग के लिए जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कमेटी गठित की जाएंगी। जिला स्तर पर एक 'जिला धन-धान्य समिति' बनेगी, जिसमें प्रगतिशील किसान भी शामिल होंगे।

राघौगढ़ में सर्प मित्र की सांप के काटने से मौत

गुना, ब्यूरो। गुना जिले के राघौगढ़ क्षेत्र में सर्प मित्र दीपक महावर (42) की सांप के काटने से मौत हो गई। दीपक पिछले कई वर्षों से सांप पकड़ने का काम करते थे और जेपी कॉलेज में इसी जिम्मेदारी पर तैनात थे। दीपक को सोमवार दोपहर बरबटपुरा गांव सांप पकड़ने के लिए बुलाया गया था। उन्होंने सांप को पकड़ लिया, लेकिन तभी स्कूल से फोन आया कि उनके 13 वर्षीय बेटे की छुट्टी हो गई है। जल्दबाजी में दीपक ने सांप को अपने गले में लटकाया और बाइक से स्कूल पहुंच गए।

अहमदाबाद विमान हादसे की जांच में छह ब्लाइंड स्पॉट्स

नई दिल्ली। अहमदाबाद में 12 जून को टेकऑफ के महज 32 सेकेंड के भीतर क्रैश हुई एअर इंडिया की फ्लाइट बोइंग–171 की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट भले सार्वजनिक हो चुकी हो, लेकिन इसके नतीजों ने कई तीखे सवाल खड़े किए हैं। ऐसे में विमानन दुर्घटना जांच ब्यूरो अपनी अंतिम रिपोर्ट को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। सूत्रों के अनुसार, जांच अब 6 ऐसे तकनीकी और प्रक्रियात्मक बिंदुओं पर केंद्रित की गई है, जिनमें कोई भी एक फैक्टर पूरे हादसे की प्रकृति बदल सकता है। दरअसल, शुरुआती रिपोर्ट में दोनों इंजनों के फ्यूल कंट्रोल स्विच 'रन' से 'कटऑफ' स्थिति में जाने को हादसे की मुख्य वजह माना गया है।

हरदा विवाद पर मुख्यमंत्री यादव का कड़ा रुख

सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

भोपाल ■ ब्यूरो

हरदा जिले में हाल ही में हुए करणी सेना से जुड़े विवाद के मामले को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बेहद गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री ने घटना की पूरी जानकारी तलब की है और स्पष्ट कर दिया है कि राज्य में सामाजिक सौहार्द को भंग करने की अनुमति किसी को नहीं दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए लिखा, ÷हरदा छात्रावास प्रकरण का संज्ञान लेते हुए मैंने जिला प्रशासन से विस्तृत जांच रिपोर्ट मंगाई है। सामाजिक न्याय और परस्पर समरसता हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मध्यप्रदेश में सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की अनुमति किसी को नहीं दी जाएगी।÷ यह बयान दर्शाता है कि राज्य सरकार इस मामले को लेकर कितनी गंभीर है और किसी भी कीमत पर कानून-व्यवस्था बनाए रखना चाहती है। यह पूरा विवाद एक कथित ठगी के मामले से शुरू हुआ था। इस प्रकरण में, करणी सेना ने स्थानीय पुलिस पर आरोप लगाया कि वह आरोपी को संरक्षण दे रही है। इसी आरोप के विरोध में, संगठन के कार्यकर्ताओं ने बीते शनिवार को हरदा की सिटी कोतवाली के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 : आज चुना जाएगा भारत के टॉप-3 स्वच्छ रोल मॉडल सिटीज को

इतिहास रचने की तैयारी में इंदौर, नंबर वन बनना तय, आज आएंगे नतीजे

इंदौश्र/नई दिल्ली ■ ब्यूरो

सात साल से लगातार देश का सबसे स्वच्छ शहर चुना जा रहा इंदौर एक बार फिर इतिहास रचने जा रहा है। गुरुवार सुबह दिल्ली के विज्ञान भवन में स्वच्छ सर्वेक्षण साल 2024 के परिणाम घोषित होंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु इंदौर शहर को सम्मानित करेंगी। अंकों के मामले में इंदौर का इस बार भी पहले नंबर पर आना लगभग तय है। इंदौर को इस सर्वेक्षण में सुपर लीग में शामिल किया गया है। सुपर लीग में सिर्फ उन्हीं 23 शहरों को शामिल किया गया है, जो अब तक हुए सर्वेक्षणों में पहले, दूसरे या तीसरे स्थान पर रहे हैं।

काफी आगे निकल चुका इंदौर

मतलब साफ है कि देशभर के शहरों के लिए स्वच्छता का मॉडल बन चुका इंदौर नंबर वन की प्रतियोगिता से बहुत आगे निकल चुका है। अब इंदौर मार्गदर्शक की भूमिका में है और अन्य शहरों को स्वच्छता का पाठ पढ़ाएगा। सुपर लीग में शामिल 23 शहरों में भी इंदौर के अंक सबसे ज्यादा हैं। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निगमायुक्त शिवम वर्मा की अगुवाई में नगर निगम की टीम दिल्ली पहुंच चुकी है। टीम में 18 सदस्य हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव इजराइल से सीधे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे।

लगातार सात साल से टॉप पर है इंदौर

स्वच्छ सर्वेक्षण में वर्ष 2017 से इंदौर पहले नंबर पर आ रहा है। इंदौर को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कह चुके हैं कि दूसरे शहर जब कुछ करने का सोचते हैं, तब तक इंदौर वह काम कर चुका होता है। यह बात स्वच्छता को लेकर भी सही साबित हुई है। इंदौर के जनभागीदारी माडल की देशभर में तारीफ होती है। नवाचारों की सीरीज, आपसी समन्वय और कुछ नया करने का जज्बा हमें दूसरे शहरों से आगे रखता है। आज जब दूसरे शहर पहले, दूसरे और तीसरे स्थान के लिए जिद्दोजहद में लगे हैं। इंदौर लगातार सात वर्ष अव्वल रहकर खास पायदान पर पहुंच चुका है। सुपर लीग में शामिल शहरों को सिर्फ अपने आपको ही स्वच्छ नहीं रखना है बल्कि उस शहर की सफाई व्यवस्था को भी पटरी पर लाना है, जिसकी जिम्मेदारी उन्हें 17 जुलाई को सौंपी जाएगी। स्वच्छ सर्वेक्षण के परिणाम घोषित होने के कार्यक्रम के साक्षी शहरवासी भी बन सकें, इसके लिए निगम मुख्यालय पर बड़ी स्क्रीन पर कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की व्यवस्था की गई

क्या है स्वच्छ सुपर लीग ?

- स्वच्छता सर्वेक्षण में स्वच्छ शहरों के चयन की अलग–अलग प्रोसेस हैं।
- स्वच्छ सुपर लीग एक विशेष कैटेगरी है,
- इसमें लगातार तीन साल स्वच्छता में तीन बार टॉप रहे शहरों को शामिल किया जाता है,
- जिन्हें रोल मॉडल के रूप में प्रेजेंट किया जाता है।

दौड़ में मध्यप्रदेश के ये भी शहर

- भोपाल प्रेसिडेंशियल कैटेगरी में इस बार देश में दूसरा स्थान आया। (पिछले साल 6वां)
- देवास और शाहगंज प्रेसिडेंशियल कैटेगरी में है।
- जबलपुर मिनिस्ट्रीयल अवॉर्ड कैटेगरी में है।
- ग्वालियर स्टेट लेवल अवॉर्ड कैटेगरी में है।

ब्रीफ न्यूज़

74 श्रद्धालुओं का 11वां जत्था बाबा बफानीं के दर्शन को रवाना हुआ

भोपाल। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल/ मंडीदीप के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि मंडल का 74 श्रद्धालुओं का 11वां जत्था मंडीदीप के अध्यक्ष विपिन भार्गव एवं फूल सिंह परमार के नेतृत्व में मालवा एक्सप्रेस से बाबा बफानीं के दर्शन कोँ रवाना हुआ। इस जत्था में मंडीदीप एवं भोपाल के श्रद्धालु हैं। रिंकू भटेजा ने आगे बताया कि अभी तक मंडल के गए 9 जत्थों में गए लगभग 3000 श्रद्धालु ने बाबा बफानीं के दर्शन कर बाबा बफानीं का आशीर्वाद प्राप्त कर चुके हैं 13 जुलाई को मंडल का दसवां जत्था रवाना हुआ था अभी यात्रा मार्ग पर है आज जत्थे में गए यात्रियों का मंडीदीप एवं भोपाल स्टेशन पर फूल माला एवं तिलक लगाकर विदाई दी गई स्टेशन में विदाई देने वालों में विजय श्रीवास्तव, राजेश दीक्षित ,राजेश शर्मा, परितोष राय, बद्री सिंह चौहान ,पवन श्रीवास्तव, प्रताप सिंह पाल, मानसिंह रघुवंशी, श्रीमति ऊषा भार्गव, इत्यादि भक्त उपस्थित रहे।

भोपाल में 30 फीट ऊंचे होर्डिंग पर चढ़ा अधेड़, कड़ी मशक्कत के बाद उतारा

भोपाल। भोपाल कलेक्टोरेट के बाहर स्थित बस स्टॉप की छत पर चढे के बाद अधेड़ व्यक्ति होर्डिंग पर चढ़ा रहा। करीब तीस फीट की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद व्यक्ति होडिंग के पाइप पर बैठ गया। यहां से आते और जाते राहगीरों को अपशब्द कहने लगा। तब राहगीरों की सूचना पर स्पॉट पर पहुंची कोहेफिजा पुलिस ने उसे समझाइश देकर उतरने को कहा। हालांकि पुलिस की टीम को देखकर व्यक्ति जान देने की बात करने लगा। तब करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने किसी तरह से उसे नीचे उतारा। इसके बाद में उसे रैन बसेरे में भिजवा दिया गया। टीआई केजी शुक्ला के मुताबिक मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब 1:30 बजे अज्ञात व्यक्ति द्वारा कलेक्टोरेट परिसर के करीब बस स्टॉप की छत पर चढे के बाद होर्डिंग पर चढकर बैठने की जानकारी दी। तत्काल मैं और स्टाफ मौके पर पहुंचे। व्यक्ति को समझाइश दी लेकिन वह नीचे उतरने को तैयार नहीं हुआ। पुलिस टीम देखते ही होर्डिंग पर बैठ गया पुलिस टीम को देखकर होर्डिंग पर ही बैठ गया। यहां बैठकर हंगामा करता रहा। उसकी कोई डिमांड नहीं थी। किसी तरह से बातों में लगाकर पुलिस जवानों की मदद से उसे उतारा जा सका। टीआई के मुताबिक व्यक्ति मानसिक विक्षिप्त नजर आ रहा था। कई बार नाम और पता पूछने पर भी उसने अपने और परिवार के संबंध में जानकारी देने से इनकार कर दिया। हालांकि वह बातचीत साधारण कर रहा था। इसके बाद में उसे रैन बसेरा में शिफ्ट करा दिया गया।

निगम अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में की अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही ठेले, पान पार्लर, टेबिल, फ्रेम आदि सहित 5 ट्रक सामान किया जप्त

भोपाल। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निमाणों को तोड़ने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी

तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्प लाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए शहर के विभिन्न स्थानों से अवैध निर्माण के साथ ही नालियों पर डाले गए स्लेब, चबूतरे, जूते-चप्पल, जैकेट आदि की दुकानों तथा आवागमन में बाधक वाहनों को हटवाया तथा ठेले, पान पार्लर, फोल्डिंग टेबिल, फ्रेम, स्टैंड, कुर्सी, पन्नी आदि सहित अन्य प्रकार का 05 ट्रक से अधिक सामान जप्त किया। निगम अमले ने भवन अनुज्ञा शाखा की कार्यवाही में सहयोग करते हुए सम्राट कालोनी क्षेत्र में अवैध रूप से बनाए गए शौचालय व स्नानागार जे.सी.बी. के माध्यम से तोड़ा। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने बुधवार को कोलार डी-मार्ट, कस्टम कालोनी, दानिश चौराहा, गैमन इंडिया से माता मंदिर तक, भदभदा ब्रिज, सैर सपाटा, लिंक रोड नंबर 01, 02 एवं 03, रंगमहल, टी.टी. नगर थाना, जवाहर चौक, सरस्वती नगर, भारत माता चौराहा, साकेत नगर, 1100 क्वाट्र्स, एम.एल.बी कॉलेज, जेल रोड, पठान कालोनी, आशिमा मॉल, इन्द्रपुरी, कर्मवीर नगर, परिहार चौराहा, अशोका गार्डन दशहरा मैदान, शाहजहांनाबाद, शर्मा कालोनी, हमीदिया रोड, अल्पना तिराहा, रेलवे स्टेशन प्लेट फार्म क्र. 06, संगम तिराहा, बैंड मास्टर चौराहा, तलैया, लेडी हॉस्पिटल, करोंद, बोट क्लब आदि क्षेत्रों में अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए सडकों, फुटपाथों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण कर अवैध रूप से बनाए गए।

नशे से दूरी- है जरूरी अभियान के तहत जन-जागरूकता रैली तथा जन संवाद किया

स्कूलों, कॉलेजों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर किए गए आयोजन

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

पुलिस मुख्यालय के निदेर्शानुसार नशे से दूरी- है जरूरी अभियान के तहत आज नगरीय पुलिस भोपाल के समस्त थाना क्षेत्रों में जन जागरूकता रैली एवं जन संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र छात्राएं, नगर रक्षा समिति तथा आमजन सम्मिलित रहे। संवाद के दौरान थाना प्रभारी एवं स्टॉफ द्वारा नशे से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। नशे के खिलाफ अभियान में सहभागिता देने तथा नशे से अपने परिवार रिश्तेदारों को जागरूक करने हेतु आमजनों को समझाइए दी गई, नारे लगाए गए, साथ ही नशे के खिलाफ शपथ दिलाई गई। उक्त अभियान के तहत आज थाना शाहजहाँनाबाद क्षेत्र अंतर्गत खालसा हायर सेकन्ड्री स्कूल रामनगर स्कूल की प्राचार्या कवलजीत सिंह कौर एवं स्कूल के शिक्षक की उपस्थिति में सहायक पुलिस आयुक्त अनुभाग शाहजहाँनाबाद, भोपाल श्री अनिल बाजपेई, थाना प्रभारी उमेश पाल सिंह चौहान, उनि0.बाना सिंह पवार, प्र.आर.3135 राजेश भारती द्वारा नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें करीब 300 छात्र/छात्राये उपस्थित रहे है , कार्यक्रम के दौरान छात्र/छात्राओ/अन्य लोगो को नशे से दूरी है जरूरी के बारे में बताया गया तथा नशे से होने वाली समस्याओं से अवगत कराया गया है । उक्त अलभयान को छात्र/छात्रायो एवं शिक्षको द्वारा अभियान की सराहना की गई। इसी क्रम में शासकीय माध्यमिक शाला पुरानी जाटखेड़ी मिसरोद में जागरूकता संबंधी व्याख्यान दिया गया बच्चों को रील एवं शॉर्ट फिल्म के माध्यम से जागरूक किया गया तथा बच्चों को नशे से दूरी बनाए रखने के लिए शपथ दिलाई गई।

थाना छोला मंदिर क्षेत्र में जागृति स्कूल के बच्चों के साथ नशे के विरुद्ध जन जागृति अभियान चलाया गया। थाना अवधपुरी के शुभम सागर स्कूल से बच्चो को नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे मे जानकारी देकर जागरूक किया गया। थाना स्टेशन बजरिया के विद्या भारती हायर सेकेंडरी स्कूल में छात्र -छात्राओं को मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान के तहत शपथ दिलाई जाकर लघु फिल्म दिखाई जाकर जागरूक किया गया। थाना जहांगीराबाद के ब्रिलियण्ट कान्वेन्ट स्कूल मे नशामुक्ति अभियान के तहत व्याख्यान आयोजित किया। छात्रों को नशे के खिलाफ जागरूक किया गया एवं शपथ दिलाई गई। थाना मंगलवारा क्षेत्र में नशा मुक्ति अभियान के तहत आज रेलवे कॉलोनी स्कूल एवं बाल निकेतन स्कूल में जागरूकता अभियान चलाया थाना टीला पुलिस ने सेंट सेवियर कंवेंट स्कूल मे थाना स्टॉफ द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत बच्चो को जागरूक किया गया एवम समझाईश दी गयी की नशे से दूरी है जरूरी। थाना अशोका गार्डन की चौकी ओद्योगिक क्षेत्र मे नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशा मुक्ति के सम्बन्ध मे लोगो को जागरूक किया गया।

थाना चुनाभट्टी: थाना अरेरा हिल्स क्षेत्र में नशे से दूरी- है जरूरी नशा मुक्ति जन जागृति अभियान के दूसरे दिन तात्या टोपे स्कूल पुराना जेल परिसर में थाना अरेरा हिल्स के उप निरीक्षक राजेश तिवारी व अन्य स्टॉप क्राइम ब्रांच के उप निरीक्षक गोविंद सिंह यादव व प्रिंसिपल सुनीता चक्रवती ने संयुक्त रूप से नशे से दूरी है जरूरी नशा मुक्ति जन जागृति अभियान के संबंध में बच्चों को नशा के बारे में जागरूक किया वह शपथ दिलाई गई व अरेरा हिल्स क्षेत्र व आसपास के लोगों को नशे से संबंधित जानकारी दी गई एवं जागरूक किया गया। अभियान के अंतर्गत नगरीय पुलिस के समस्त थाना क्षेत्रों में नशे के दुष्परिणामों के प्रति जन-जागरूकता फैलाने हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है।

महिला गांजा तस्कर गिरफ्तार, हजारो का नशीला पर्दाथ जप्त

बाहर से गांजा लाकर फुटकर में खपाती थी शहर में

भोपाल। राजधानी भोपाल की क्राइम ब्रांच टीम ने एक ऐसकी महिला गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है, जो बाहर से गांजा लाकर उसे थोड़ी-थोड़ी मात्रा में शहर में खपाती थी। टीम ने उसके पास से 15 हजार कीमत का 1 किलो 428 ग्राम गांजा जप्त किया है। क्राइम ब्रांच एडीसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया की बीती रात मुखबिर से मिली सूचना पर शाहजहांनाबाद थाना इलाके में वीआईपी गेस्ट हाउस के पीछे निमार्णाधीन मकान से से घेराबंदी कर एक सदिंग्ध महिला को हिरासत में लिया गया था। उसकी पहचान सुधा श्रीवास पत्नी संतोष श्रीवास (50) निवासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी पीले क्वाटर थाना निशातपुरा के रुप में हुई। उसने बताया की वह मसाज का काम करती है। महिला के पास एक थैला था, जिसकी तलाशी लेने पर उसमें हजारों रुपए कीमत का करीब डेढ़ किलो गांजा रखा मिला। महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का मामला कायम कर नशीला पर्दाथ जप्त करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में सामने आया की वह बाहर से गांजा लाकर यहाँ फुटकर में उसे सप्लाई करती थी, गांजे की डिलीवरी देने के लिये वह किसी ग्राहक का इंतजार कर रही थी। लेकिन इससे पहले पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस आरोपी महिला का पुराना रिकॉर्ड खंगालने के साथ ही उससे राजधानी में फैले उसके साथियो के नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है, जिससे महिला के साथी गांजा तस्करो की जानकारी मिलने की उम्मीद है।

सिविल अस्पताल बैरागढ़ के एनबीएसयू का निरीक्षण, रेफरल केसेस के ऑडिट के दिए निर्देश

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

सिविल अस्पताल बैरागढ़ में संचालित न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट का दौरा बुधवार को सीएमएचओ भोपाल डॉ. मनीष शर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान भर्ती बच्चों के उपचार और डिस्चार्ज बच्चों के फॉलोअप की जानकारी ली गई। सिविल अस्पताल बैरागढ़ में चार बिस्तरीय एन बी एस यू संचालित है। जिनमें प्रतिमाह 25 से 30 नवजात शिशुओं को विभिन्न चिकित्सकीय जटिलताओं के आधार पर उपचार के लिए भर्ती किया जाता है। भोपाल जिले में सिविल अस्पताल बैरागढ़ के अलावा सिविल हॉस्पिटल बैरसिया और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी न्यू बोर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट संचालित है। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने निर्देश दिए कि जरूरी होने पर ही नवजात बच्चों को अन्य संस्थाओं में रेफर किया जावे। रेफरल करने के पूर्व जिस अस्पताल में रेफर किया गया है, वहां के चिकित्सक और स्टाफ से बात करने के पश्चात की रेफरल किया जाए। इस बात की जानकारी परिजनों को भी दी जाए। रेफर किए गए बच्चों के स्वास्थ्य का फॉलोअप सुनिश्चित किया जाए। जिन बच्चों को उपचार के लिए दूसरी संस्थाओं में रेफर किया गया है उनका ऑडिट संस्था स्तर पर प्रत्येक सप्ताह किया जाए। अस्पताल में रात के समय प्रसव होने की स्थिति में शिशु रोग विशेषज्ञ की उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाए।

बाइक पर लिफ्ट लेकर जा रहे सिक्योरिटी गार्ड की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

बाइक चालक सहित दो घायल, एक बाइक पर सवार थे तीनो

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

कटारा हिल्स थाना इलाके में स्थित बगरौदा औद्योगिक क्षेत्र में एक बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में समय बाइक पर चालक सहित लिफ्ट लेकर जा रहा सिक्योरिटी गार्ड और उसका एक साथी सवार था। एक्सीडेंट में सिक्योरिटी गार्ड की मौत हो गई, जबकि उसका साथी और बाइक चला रहा व्यक्ति घायल हुआ है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सलामतपुर में रहने वाले कल्याण सिंह (55) पुत्र माधव सिंह बगरोदा औद्यौगिक क्षेत्र स्थित एक निमार्णाधीन फैक्ट्री में चौकीदारी करता था। मंगलवार रात पह बगरौदा निवासी तुलाराम के साथ भोपाल आने के लिए निकले थे। तुलाराम भी बगरौदा में

कंपनी में ही काम करता है। कल्याण सिंह और तुलाराम ने बाइक सवार तरावली गुनगा निवासी नीतू सिंह से लिफ्ट मांगी और उसकी बाइक पर सवार होकर तीनो भोपाल के लिए चलने लगे। रात करीब 8 बजे जैसै ही वह औद्योगिक क्षेत्र बगरौदा में पानी की टंकी के पास मेन रोड पहुंचे थे, तभी उनकी बाइक को पीछे की और से बाये तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। एक्सीडेंट में तीनो चलती बाइक सहित सड़क पर गिरकर घिसटने से घायल हो गए। बाद में सूचना मिलने पर तीनों को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिये एम्स पहुचांया गया था। वहां कुछ घंटे चले इलाज के बाद बुधवार अलसुबह कल्याण सिंह की मौत हो गई। वहीं उसके साथी तुलाराम की हालत चिंताजनक बनी हुई है। एम्स अस्पताल से मिली सूचना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने बताया की तुलाराम और घायल नीतू सिंह फिलहाल बयान देने की हालत में नहीं है। उनकी हालत बेहतर होने पर उनके बयान लिये जायेगें जिसके बाद ही टक्कर मारने वाले वाहन के बारे में कोई जानकारी सामने आ सकेगी। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान जुटाने के प्रयास कर रही है।

बीएच एम आर सी में मुक्त भारत अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन

रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने से टीबी से बचाव संभवः डॉ मनीषा श्रीवास्तव

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र भोपाल में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें भोपाल जिले के सीएमएचओ डॉ मनीष शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। सभागार में उपस्थित चिकित्सकों को संबोधित करते हुये डॉ मनीष शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तत्वावधान में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत देश भर में 347 प्राथमिकता वाले जिलों में क्षय रोग से निपटने के

लिए 100 दिनों का गहन टीबी मुक्त भारत अभियान जारी है। आगे उन्होने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में उनका 18 वर्ष का अनुभव रहा है और उनकी प्राथमिकता यही है कि राष्ट्रीय कार्यक्रमों से जुड़कर टीबी उन्मूलन की दिशा में काम किया जाए। टीबी के मरीजों का निक्षय पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन होना आवश्यक है, ताकि मरीजों की स्क्रीनिंग कर उनको उपचार मुहैया कराया जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि ऐसे मरीजों, जिनमें डायबिटीज, कैंसर, किडनी रोग से ग्रस्त मरीजों में यदि टीबी के लक्षण हों तो उनकी स्क्रीनिंग कर टीबी का इलाज किया जा सके, तभी टीबी उन्मूलन कार्यक्रम सफल होगा। निजी चिकित्सकों द्वारा भी निक्षय पोर्टल पर दर्ज मरीजों को ट्रेस कर उन्हे स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करना आवश्यक है। डॉ मनीषा श्रीवास्तव, प्रभारी निदेशक ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान के राष्ट्रीय कार्यक्रम से जुड़कर ही सफलता मिल सकती है। जिस तरह माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने टीबी मुक्त भारत की कामना की है, उसी तरह मध्यप्रदेश सरकार के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी की प्राथमिकता भी प्रदेश से टीबी उन्मूलन है। इसी श्रंखला में हम टीबी उन्मूलन कार्यक्रम से जुड़े हुये हैं। यदि शरीर में इम्यूनिटी कम होती है तो टीबी होने की संभावना बढ़ जाती है और टीबी शरीर के किसी भी अंग में हो सकती है । इसलिए शरीर की इम्यूनिटी का ध्यान रखना जरूरी है। टीबी के लक्षण सामने आते ही उसका पूर्ण उपचार जरूरी है। हमारे साथ 3.5 लाख गैस पीड़ित व उनके आश्रित जुड़े हुये हैं, यदि हम उनमें ही टीबी के मरीजों को पहचान कर उन्हे टीबी का समुचित उपचार उपलब्ध कराएं तो टीबी उन्मूलन की दिशा में अपना योगदान दे पायेंगे। टीबी का पूरी तरह उन्मूलन तभी होगा जब टीबी के हर एक मरीज को पूरी तरह स्वस्थ किया जाए। इस अवसर पर जिला टीबी अधिकारी डॉ प्रांजल खरे ने बताया कि डबल्यूएचओ ने वर्ष 2030 तक टीबी उन्मूलन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

ऑनलाइन घड़ियों का पार्सल ली और डिलीवरी बॉय को धक्का देकर हो गए फरार

फ्लिपकार्ट कंपनी से मंगवाई थी मंहगी घड़ियॉ, एम्स हॉस्पिटल के पास की घटना

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

बागसेवनिया पुलिस ने दो ऐसे शातिर युवको के खिलाफ मामला कायम किया है, जिन्होनें पहले तो फ्लिपकार्ट कंपनी से ब्रांडेड कंपनी की दो घड़ियां ऑनलाइन ऑर्डर की। बाद में कंपनी का डिलेवरी बॉय ने एम्स हॉस्पिटल के पास दोनो घड़ियों के पार्सल उनके हाथ मे दिये तब युवक डिलीवरी बॉय को धक्का देकर फरार हो गए। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अवधपुरी इलाके में रहने वाले देवेंद्र अहिरवार ने बताया की वह ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी फ्लिपकार्ट में डिलीवरी बॉय की नौकरी करता हैं। प्रदीप राणा और समीर अवस्थी नाम के दो युवकों ने फ्लिपकार्ट के जरिए दो

टाइटन की घड़ियां मंगवाई थीं। 11 जुलाई को घड़ियों की डिलीवरी देने के लिए देवेंद्र ने दोनों के मोबाइल पर फोन कर डिलेवरी देने की बात कही तब उन्होंने उससे कहा की वह एम्स अस्पताल के पास हैं, वो वहीं घड़ियों की डिलीवरी देने के लिये एम्स के गेट नंबर दो पर आ जाये। उनके कहने पर देवेन्द्र घड़ियों का पार्सल देने वहॉ पहुंच गया। तब दोना युवकों ने पार्सल लेकर उसमें रखी घड़ियां चैक की। इसके बाद युवकों ने देवेंद्र को धक्का दिया और घड़ियां लेकर भाग निकले। इससे पहले देवेंद्र संभलकर उनका पीछा कर पाता आरोपी तेज रफ्तार से उसकी नजरो से ओझल हो गए। पीड़ित ने घटना की सूचना तत्काल डायल 100 को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी देर तक सर्चिंग की लेकिन आरोपियो का सुराग नहीं मिला। इसके बाद टीम पीड़ित को थाने लेकर पहुंची जहॉ जॉच के बाद बीते दिन झपटमारी का मामला दर्ज कर लिया गया। पुलिस ऑर्डर बुक करने के लिए जिन मोबाइल फोन नंबरों का इस्तेमाल किया गया है, उनके आधार पर युवकों की पहचान जुटाने के प्रयास कर रही है। सूत्रो के मुताबिक संदेही युवको के नाम प्रदीप राणा व समीर अवस्थी सामने आये है। इनमें एक शाहजहांनाबाद और दूसरा मिसरोद इलाके के श्रीराम परिसर का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही दोनों आरोपियो की पहचान जुटाकर उन्हें पकड़ लिया जायेगा।

आईईएचई,के पुस्तकालय द्वारा विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम

नवप्रवेशित विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल के स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान के पुस्तकालय में प्रतिदिन लगभग 300 विद्यार्थी अध्ययन करते है।विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आभा शर्मा ने विद्यार्थियों को पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं का अधिकतम उपयोग करने की सलाह दी। पाठ्यक्रम के विस्तार के साथ-साथ पुस्तकें विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में भी सहायक सिद्ध होती है। संस्थान न सिर्फ.विद्यार्थियों को

पाठ्यक्रम का सीमित ज्ञान देता है, बल्कि उनके व्यक्तित्व विकास में भी अहम भूमिका निभाता है। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. प्रज्ञा गुप्ता ने संस्थान के पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली पुस्तकालयीन सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए ई - लाइब्रेरी के उपयोग से विद्यार्थियों को अवगत करवाया। उन्होंने ई-ग्रंथालय में ओपेक के माध्यम से पुस्तक की खोज प्रक्रिया के साथ डिजिटल रिसोर्सेज रिट्रीव करने के बारे में भी बताया। विद्यार्थियों को पुस्तकालय के सभी सेक्शन्स में भ्रमण करवाकर, उपलब्ध विभिन्न संग्रहों एवं प्रदाय की जाने वाली पुस्तकों व सेवाओं के प्रदर्शन के साथ उन्मुखीकरण कार्यक्रम सार्थक सिद्ध हुआ।

जोरदार बारिश के बीच हुई पचमड़ी में 7वी मानसून मैराथन

विभिन्न राज्यों के दो हजार धावको ने प्रकृति की अद्भुत छठा के बीच लगाई जमकर दौड़

भोपाल खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद अस्पताल की डॉक्टर कामिनी सोनी ने 42किमी की दौड़ कर बनी विजेता

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

जोरदार बारिश के बीच हुई पचमड़ी में 7वी मानसून मैराथन, विभिन्न राज्यो से पहुंचे मानसून मैराथन में शामिल होने धावक, प्रकृति की अद्भुत छठा के बीच धावकों ने लगाई जमकर दौड़। जिसमें भोपाल खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद अस्पताल की वरिष्ठ डॉक्टर कामिनी सोनी ने 42किलोमीटर की दौड़ लगाकर विजेता बनी।मध्यप्रदेश का प्रसिद्ध हिल स्टेशन पचमड़ी में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं जिला प्रशासन के सहयोग से एवं 'एडवेंचर एंड यू' के माध्यम से पचमढ़ी मानसून मैराथन का भव्य आयोजन किया गया। जिला प्रशासन नर्मदापुरम के सहयोग से आयोजित मैराथन में देशभर से लगभग 2000 धावकों एवं 7 अंतराष्ट्रीय धावक भी मैराथन में शामिल हुए। कई धावक नागपुर ओर भोपाल शहर से सायकल चलाकर पचमढ़ी मानसून मैराथन में शामिल हुए। देश भर से ध्वकों ने लिया दौड़ में हिस्सा पचमड़ी के प्राकृतिक सौंदर्य के बीच 42 किलोमीटर, 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर एवं 5 किलोमीटर की श्रेणी के लिए मैराथन हुई। मानसून मैराथन दौड़ की शुरुआत एमपीटी ग्लेन व्यू होटल से हुई। 42 किलोमीटर दौड़ अलसुबह 4 बजे शुरू हुई। बची तीनों दौड़ सुबह 6 बजे शुरू की गई। मैराथन को टूरिज्म बोर्ड के ज्वाइन डायरेक्टर डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव एवं केंट सीईओ राहुल गजभिये ने फ्लैग ऑफ कर मैराथन का आरंभ किया। मानसून मैराथन में आकर्षण का केंद्र रहे 6 वर्ष के बच्चे एवं 70 प्लस के बुजुर्गों ने लगाई दौड़ साथ ही दो दिव्यांगों कारंजा महाराष्ट्र से श्रीकांत राउत 5 किलोमीटर में ओर मुम्बई से निरंजन जादव ने 21 किलोमीटर मैराथन में हिस्सा लिया, इस दौड़ में निधि जो कि मूकबधिर है उन्होंने 21 किलोमीटर की रेस जीती। अलसुबह से ही पचमढी का मौसम का मजा ले रहे धावकों ने जोरदार दौड़ लगाई साथ ही रिमझिम बारिश का लिया मजा साथ ही पचमढी की अद्धभुत छठा बादलों के बीच मैराथन दौड़ बारिश में सुंदर झरनों की बहार सी आई हुई है ।दौड़ में शामिल हुए सभी प्रतिभागियों को दिए गए मैडल। साथ ही विजयी हुए प्रतिभागियों को ट्रॉफी भी दी गई। सभी प्रतिभागियों ने बड़े ही उत्साहपूर्वक आयोजन का लाभ उठाया और पचमड़ी अद्धभुत छठा का लिया मजा।

साथ ही 5 वर्ष से 61 वर्ष की अधिक आयु के अलग अलग केटेगरी में हुए प्रथम , द्वतीय ओर तृतीय स्थान पर आए। प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया । पुरुस्कार वितरण टूरिज्म बोर्ड के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव , रिटायर्ड राजेश दत्ता कर्नल, ग्लेन व्यू प्रबंधक आलोक सक्सेना द्वारा किया गया ।

दौड़ के दौरान मध्यप्रदेश पर्यटन से सलाहकार पर्यटन एडवेंचर कैलाश सिंह, परियोजना प्रबंधक अवनीश यादव, ग्लेन व्यू होटल प्रबंधक आलोक सक्सेना , जिला पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर, मैराथन संचालक मितेश रम्भिया एवं पर्यटन से अन्य लोग मौजूद रहे साथ ही टूर एंड ट्रेवल्स, होटल संचालक, होमस्टे संचालक एवं स्थानीय लोगों ने घावको का उत्साहवर्धन किया।

मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड सचिव शिवशेखर शुक्ला द्वारा बताया गया पर्यटन को बड़ावा देने स्थानीय रोजगार व्यापार बड़ाने स्थानीय उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए लगातार पर्यटन स्थलों पर विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है। जिससे पर्यटकों को स्थानीय जानकारी और उत्पाद का लाभ मिले साथ ही हमारी स्थानीय संस्कृति का विकास हो इसी तारतम्य में पचमढी में मानसून मैराथन का आयोजन किया गया यह आयोजन का लगातार 7 वा वर्ष है

मैराथन दौड़ में ये प्रतिभागी हुए विजय

42 किलोमीटर में पुरूष प्रथम स्थान पर जितेंद्र पाटले,
42 किलोमीटर में महिला में रितुजा माड़वी प्रथम स्थान पर।
42 किलोमीटर में पु. द्वतीय स्थान पर अंकित शर्मा,
42 किलोमीटर में म. द्वतीय स्थान पर निकिता मंडलोई। और भोपाल के खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद अस्पताल की डॉक्टर कामिनी सोनी ने 42किलोमीटर की मैराथन में सफलतापूर्वक विजेता हुई।
21 किलोमीटर में पुरूष प्रथम स्थान पर मोहित कोरे।
21किलोमीटर में महिला प्रथम स्थान पर निकिता साहू।
21 किलोमीटर में पु.द्वतीय स्थान पर तेजस बानकर।
21 किलोमीटर में म. द्वतीय स्थान पर हिना मिस्त्री.
10 किलोमीटर में पुरूष प्रथम स्थान पर विशाल कौशल।
10 किलोमीटर में महिला प्रथम स्थान पर रीता तरारे
10 किलोमीटर में पु.द्वतीय स्थान पर वैभव दांडेकर।
10 किलोमीटर में म.द्वतीय स्थान पर मयूरी नागपुरे।
5 किलोमीटर में महिला प्रथम स्थान पर लक्ष्य पटेल।
5 किलोमीटर में महिला प्रथम स्थान पर सान्वी देशमुख।
5 किलोमीटर में पु.द्वतीय स्थान पर स्वरूप भट्ट।
5 किलोमीटर में म.द्वतीय स्थान पर गौरी नागा अव्वल रही।

तहसीलदारों को न्यायालय और गैर न्यायालय में बांटने का विरोध

प्रदेशभर में कलेक्टरों को ज्ञापन देंगे 21 जुलाई से करेंगे काम बंद

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

तहसीलदारों की पदस्थापना को लेकर मोहन कैबिनेट के एक माह पुराने फैसले का प्रदेश के तहसीलदार विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस फैसले से लोगों को सुविधा मिलने की बजाय दिक्कत बढ़ेगी। कुछ जिलों में कलेक्टरों ने कैबिनेट के फैसले के आधार पर आदेश भी जारी कर दिए हैं, जिसे वापस लेने की मांग की जा रही है। ऐसा न करने पर तहसीलदार और नायब तहसीलदार 21 जुलाई से काम बंद करेंगे। कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (तहसीलदार) संघ ने तहसीलदार और नायब तहसीलदार कैडर के अफसरों के बीच न्यायालयीन और गैर न्यायालयीन कार्य विभाजन का विरोध किया है। संघ ने कहा है कि अफसरों के बीच इस तरह का विभाजन किसी स्टडी, किसी समिति की सिफारिश और पारदर्शी मापदंड को अपनाए बगैर किया जा रहा है। इसका कोई ठोस और तार्किक कारण भी नहीं है। इस तरह के निर्णय से कार्यक्षमता कैसे बढ़ेगी? गैर न्यायालयीन कार्यो के लिए संभागीय मुख्यालयों के जिलों में 14 और अन्य जिलों में 8 तहसीलदार और नायब तहसीलदार चिन्हित करने का काम किस आधार पर किया गया है, यह भी इसमें स्पष्ट नहीं है।

संयुक्त परामर्शदात्री समिति की सहमति नहीं ली

प्रदेश के तहसीलदारों का यह भी कहना है कि इस मामले में संयुक्त परामर्शदात्री समिति से सहमति ली जानी चाहिए जो नहीं ली गई है। इस मामले में संघ को विश्वास में लिए बगैर फैसला किया गया है। संघ का आरोप है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 6 के अंतर्गत कार्यपालिक मजिस्ट्रेट को क्रिमिनल कोर्ट का एक वर्ग माना गया है, जिसे नियुक्त करने की शक्ति धारा 14 के अंतर्गत शासन को है। जबकि प्रमुख राजस्व आयुक्त के आदेश के पालन में कलेक्टर इस तरह के पदों पर नियुक्तियां कर रहे हैं, जो उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। इसके लिए जबलपुर और सिवनी में आदेश भी जारी किए गए हैं।

राजस्व न्यायालयों में कमी की स्थिति बन रही

इन्होंने सवाल उठाया है कि अधिकार विहीन कार्यपालिक मजिस्ट्रेट कहां बैठेंगे और उनके रीडर, आफिस स्टाफ को लेकर भी स्थिति साफ नहीं है। संघ ने यह भी कहा है कि इस फैसले से राजस्व न्यायालयों में कमी की स्थिति बन रही है। जबकि तीन राजस्व महाभियान चलाने के बाद भी किसानों की समस्याओं में कमी नहीं हो रही है। कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी संघ ने कहा है कि अगर राजस्व विभाग को कोई नवाचार करना ही था तो पुलिस कमिश्नर प्रणाली की तरह प्रदेश के एक-दो जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इस व्यवस्था को लागू किया जाता और फिर इस पर अंतिम फैसला होता। संघ ने कलेक्टरों को सौंपे ज्ञापन के जरिये यह कहा है कि अगर सरकार इस मामले में बदलाव कर कलेक्टरों के आदेश नहीं रोकती है तो प्रदेश के सभी तहसीलदार 21 जुलाई से काम बंद कर देंगे।

अवैध उत्खनन में लगी पोकलेनजेसीबी मशीनें और 9 डंपर जप्त

भोपाल। राजधानी की ईंटखेड़ी थाना पुलिस ने बुधवार को खनिज विभाग के अफसरों के साथ मिलकर खनन माफिया के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान पुलिस ने अवैध कोपरा और मुरम से भरे करीब 9 डंपर और एक पोकलेन और एक जेसीबी मशीन जप्त की है। बताया जाता है कि पोकलेन और जेसीबी मशीन की मदद से सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कोपरे का उत्खनन किया जा रहा था। पुलिस और खनिज विभाग के वरिष्ठ अधिकारी कार्रवाई के दौरान मौजूद रहे। पुलिस ने डंपर चालकों से उत्खनन और परिवहन से जुड़े दस्तावेज मांगे, लेकिन किसी प्रकार के दस्तावेज नहीं मिलने पर वाहनों को जत करने की कार्रवाई की गई।

श्री झूलेलाल चालीहा साहिब पर्व उत्साह और विधि- विधान से मनाया

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

सिन्धी पर्व श्री झूलेलाल चालीहा साहिब का प्रारंभ उत्साह, विधिविधान और परंपरागत तरीके से सिन्धी पंचायत गुलमोहर ई -8 एसटेंशन बावड़ियां कलां द्वारा झूलेलाल मंदिर में किया गया। इस पर्व में अनेक गणमान्य लोगो ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सर्वप्रथम झूलेलाल सांई जी की न्योत साहिब प्रज्जवलित पंचायत के अध्यक्ष संजय कुमार रामतानी महासचिव देवानंद जेठानी मुय सलाहकार डी एम मोटवानी कोषाध्यक्ष सुनील नरियानी सह कोषाध्यक्ष निक्की मूलचंदानी सिन्धी समाज के पूजनीय ब्राह्मण आनंद शर्मा के सानिध्य में ओर अन्य पदाधिकारी की उपस्थिति में की गई। पंचायत के अध्यक्ष संजय कुमार रामतानी ने बताया कि बावड़ियां कलां में स्थित झूलेलाल मंदिर सिंधी समाज का मानता वाला मंदिर है, यहां जो भी धर्मप्रेमी नियमित झूलेलाल चालीहा साहिब के 40 दिन आकर श्री झूलेलाल साहिब की पूजा अर्चना स'चे मन से करेगा भगवान श्री झूलेलाल उनकी सभी आशा, मुराद पूरी करेगें ओर मनचाहा फल देंगे। पंचायत के महासचिव श्री देवानंद जेठानी ने भोपाल वासियों को निवेदन किया हे कि

सभी धर्म प्रेमी इन 40 दिवसीय श्री झूलेलाल चालीहा साहिब में बावड़ियां कलां स्थित मानता पूरी करने वाले श्री से झूलेलाल मंदिर में जरूर आए ओर सिंधी समाज के इष्ट देवता श्री झूलेलाल साहिब जी के दर्शन कर श्री झूलेलाल जी का आशीर्वाद ओर लाभ प्राप्त करे। सिन्धी पंचायत गुलमोहर ई -8 एसटेंशन बावड़ियां कलां भोपाल के मुय सलाहकार श्री डी एम मोटवानी सभी धर्मप्रेमी गणमान्य नागरिकों को निवेदन किया कि मानता पूरी करने वाले श्री झूलेलाल मंदिर में अवश्य पधारें।

न्याय की भावना से ग्रामीण विकास की जिम्मेदारी उठाएं पंचायत प्रतिनिधिः पटेल

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि ग्रामीण विकास एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे पंचायत प्रतिनिधियों को नियत और न्याय की भावना से स्वीकार करना होगा। मंत्री पटेल धार में आयोजित पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मंत्री पटेल ने बताया कि सांसद रहते हुए उन्होंने सदैव कृषि और ग्रामीण विकास विषयक संसदीय समितियों में रहकर देश भर में इन विषयों को गहराई से समझने का प्रयास किया। प्रदेश में मंत्री के रूप में उन्हें इन नीतियों को लागू करने का अवसर मिला है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि अपने क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों, वृक्षारोपण और योजनाओं का रिकॉर्ड पारदर्शिता से रखें।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का आहवान : मंत्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश नदियों का मायका है, लेकिन जल संकट की आहट को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। जल संरक्षण के लिये वृक्षारोपण ही सबसे स्थायी उपाय है। उन्होंने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत व्यापक पौधारोपण का आहवान किया और कहा कि 'जो पौधा आप लगाते हैं, उसकी देखभाल भी आपकी व्यक्तिगत जवाबदेही है।' उन्होंने कहा कि 'वृक्षारोपण अभियान 2025' में महिला स्व-सहायता समूहों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन को भी बल मिलेगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री पटेल ने कहा कि पुराने, जीर्ण-शीर्ण पंचायत भवनों को तोड़कर 48 लाख और 37 लाख रुपये की लागत से नए भवनों की मंजूरी दी गई है। कोई भी पंचायत अब

भवन विहीन नहीं रहेगी। धार जिले में इस वर्ष 81 पंचायत भवन और 85 पुलियों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है। चौथे चरण की प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत अब मजरे-टोले को भी जोड़ा जा सकेगा, जिसके लिए राजस्व ग्राम की शर्त हटा दी गई है। केन्द्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सवित्री ठाकुर ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि सरकार की योजनाओं को गाँव-गाँव तक पहुँचाने का कार्य करें और प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में जुट जाएँ। सम्मेलन में अतिथियों द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले पंचायत प्रतिनिधियों को सम्मानित भी किया गया। सम्मेलन में जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेढ़ा, विधायक नीना वर्मा और कालूसिंह ठाकुर, पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव,नीलेश भारती एवं चंचल पाटीदार ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में अधिकारी सहित बड़ी संख्या में सरपंच व पंच उपस्थित रहे।

दुर्घटना में मृत्यु होने पर प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता

दीनबन्धु ■ अनूपपुर www.dinbandhunews.com

जिले के ग्राम बम्हनी निवासी किसान श्री राम विनोद पटेल, जिनकी करंट लगने से असामयिक मृत्यु हो गई थी। उन्होंने अपना बैंक खाता भारतीय स्टेट बैंक शाखा अनूपपुर में खुलवाया था। जिसमे उन्होंने बीस रूपये के वार्षिक प्रीमियम का प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना करवाया था। किसान के असामयिक दुर्घटना मृत्यु की जानकारी स्टेट बैंक अनूपपुर को मिलने के उपरांत बैंक द्वारा 16 जुलाई को मृतक की पत्नी श्रीमती मुन्नी बाई पटेल को दो लाख का चेक प्रदान किया गया। इस अवसर पर बैंक के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। बैंक ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना को अपनाएं, ताकि किसी भी विषम परिस्थिति में परिवार को आर्थिक मदद मिल सके।

अड़ीबाजी की रकम देने से मना किया था घायल ने

बैखौफ बदमाशो ने मैकेनिक पर किया बीच सड़क पर तलवार चाकू से हमला

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

शहर के टीटी नगर थाना इलाके में बैखौफ बदमाशो ने अड़ीबाजी की रकम न देने को लेकर एक युवक को बीती रात गैमन इंडिया मॉल के पास बीच सड़क पर घेरकर उस पर तलवार चाकू से कातिलाना हमला कर गंभीर रुप से घायल कर दिया। हमला करने वाले बदमाश कार से आए थे। युवक को लहुलूहान कर बदमाश उसे धमकी देकर मौके से फरार हो गए। हत्या के प्रयास की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। इतना ही नहीं बैखौफ हमलावर बदमाश ने फरियादी को घेरकर धारदार हथियारो से वार करने का वीडियो अपने सोशल मीडिया एकांउट पर पोस्ट कर कैप्शन में लिखा है और करो उलझन। मामले में घायल युवक अमन खॉन (22) पिता साजिद खॉन निवासी शिव नगर कॉलोनी, टीटी नगर के भाई फैजान ने जानकारी देते हुए बताया की अमन टीटी नगर क्षेत्र में ही मैकेनिक की दुकान चलाता है। इलाके के बदमाश नरेंद्र रायकवार और नीलेश रजक बीते कई महीनों से अमन पर अड़ीबाजी कर धमकाते हुए हर महीने तय रकम देने के लिये अड़ीबाजी करते थे। वहीं पैसा न देने पर दुकान बंद करवाने की धमकी देते थे। डर के कारण अमन ने कई बार आरोपियो को पैसै भी दिये थे, लेकिन जब आरोपी उसे लगातार परेशान करने लगे तब उसने तीन महीने पहले इसकी लिखित शिकायत थाने में कर दी थी। हालांकि, पुलिस ने उस समय आरोपियो के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया था। अड़ीबाजी की रकम न देने और पुलिस में शिकायत करने से आरोपी उससे रजिंश रखे हुए थे। मंगलवार देर रात करीब दो बजे अमन मॉल के पास चाय की दुकान पर बैठा था। उसी समय आरोपी नरेंद्र, नीलेश और उनके 3ङ्४ साथी इनोवा कार से वहॉ आ धमके। कार से उतरे तीन युवक नीचे उतरे उन सभी के पास धारदार हथियार थे। उन्होंने बिना कुछ कहे अमन को घेरकर हमला कर दिया। अमन के चीखने की आवाज सुनकर लोग उस और दौड़े लेकिन तब तक आरोपी वहॉ से फरार हो चुके थे। इतना ही नहीं बैखौफ बदमाश नरेंद्र रायकवार ने अमन की घायल हालत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर कैप्शन में लिखा और करो उलझन। गंभीर रुप से घायल अमन को इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भाई के अनुसार हथियार के वार से उसके कंधे और जांघ में गंभीर चोटें आई हैं। अमन के पैर में चार टांके आये है, वहीं डॉक्टरों का कहना है की उसके दाहिने हाथ की तीन उंगलियों में गहरे कट हैं, जिसके चलते उसके हाथ की सर्जरी की जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायल अमन की शिकायत पर आरोपियो के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उनकी तलाश के लिए टीमें गठित की हैं।

पीके का फंडा की पहली प्रति राज्यपाल को भेंट प्रवीण कक्कड़ ने माँ की स्मृति को किया समर्पित

दीनबन्धु ■ भोपाल/इंदौर
www.dinbandhunews.com

प्रख्यात सामाजिक चिंतक, लेखक और पूर्व पुलिस अधिकारी प्रवीण कक्कड़ ने अपनी नई चिंतनपरक कृति 'पीके का फंडा' की प्रथम प्रति आज मध्य प्रदेश के राज्यपाल, माननीय श्री मंगूभाई पटेल को राजभवन में सादर भेंट की। यह अवसर केवल एक पुस्तक भेंट नहीं, बल्कि प्रेरणा, श्रद्धा और सार्थक विचारों के संगम का साक्षी बना।

श्री कक्कड़ ने इस दिन को अपने जीवन का एक अत्यंत भावपूर्ण क्षण बताया, क्योंकि 16 जुलाई उनकी पूज्यनीय माता, स्व. श्रीमती विद्यादेवी कक्कड़ जी की जयंती भी है। उन्होंने भावुकता से कहा, ÷यह पुस्तक मैंने माँ की पावन स्मृति को समर्पित की है। जीवन में जो कुछ भी मैंने पाया, उसमें उनकी प्रेरणा, संस्कारों और मूल्यों की गहरी छाया है।÷ यह समर्पण पुस्तक के मूल भाव-आत्मिक जागरूकता और सकारात्मक परिवर्तन-से गहरे जुड़ाव को दर्शाता है।

शिवना प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है। यह कृति प्रवीण कक्कड़ के प्रशासनिक, सामाजिक और निजी अनुभवों का ऐसा समावेश है, जो पाठकों को न केवल प्रेरित करती है, बल्कि उन्हें आत्ममंथन की दिशा में ले जाती है-यह स्पष्ट करते हुए कि वास्तविक परिवर्तन की शुरुआत भीतर से होती है, न कि बाहरी परिवेश से। पुस्तक भेंट करने के इस विशेष अवसर पर प्रवीण कक्कड़ के सुपुत्र सलिल कक्कड़, तथा ÷पीके का फंडा÷ टीम से सुमित अवस्थी और प्रकृति चटर्जी भी उपस्थित रहे।

संपादकीय

दो टूक- हिन्दी के वैश्विक उदय को समझिए, उसे क्षेत्रीय राजनीति की भेंट मत चढ़ाइए

हिन्दी केवल एक भाषा नहीं बल्कि भारत की आत्मा, चेतना, अस्मिता और स्वाभिमान की प्रतीक है। यह भारतीय संस्कृति की वह अदृश्य डोर है, जो देश के कोने-कोने को जोड़ती है। दुर्भाग्यवश हिन्दी जब अपनी वैश्विक उड़ान भर रही है, उसी समय देश के भीतर कुछ क्षेत्रीय राजनीतिक स्वार्थों के कारण हिन्दी का विरोध हो रहा है। खासकर महाराष्ट्र जैसे राज्य में, जहां मुंबई में हिन्दी फिल्मों का केंद्र है, वहां हिन्दी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, नारेबाजी और हिन्दी बोलने वालों पर हमले की घटनाएं चिंताजनक हैं। यह विडंबना ही है कि एक ओर जहां दुनिया हिन्दी को सम्मान दे रही है, वहीं भारत में कुछ शक्तियां इसे राजनीतिक हथियार बना रही हैं। यह सच है कि भारत में विविध भाषाओं और बोलियों का समृद्ध संसार है। संविधान 18वीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता देता है। इनमें से हर भाषा का सम्मान और संरक्षण आवश्यक है लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जनसंख्या द्वारा बोली जाने वाली हिन्दी के खिलाफ वैमनस्य फैलाया जाए। हिन्दी को थोपे जाने की राजनीति और विरोध दोनों ही गलत हैं। भाषा का विकास संवाद और सहमति से होता है, न कि टकराव से। आज जब हिन्दी आर्थिक, तकनीकी, सांस्कृतिक और साहित्यिक रूप से दुनिया में भारत की पहचान बन रही है, तब इसे विरोध का विषय बनाना केवल संकीर्ण राजनीति का परिचायक है। दुनियाभर में आज जब अपनी-अपनी भाषाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है, ऐसे समय में हिन्दी न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता की नई ऊंचाइयों को छू रही है। एक ओर जहां सैंकड़ों भाषाएं लुप्त होने के कगार पर हैं, वहीं हिन्दी वैश्विक मंच पर तेजी से उभर रही है, जिसे लेकर हर भारतवासी को गर्व होना चाहिए। विश्व में लगभग 6900 भाषाएं बोली जाती हैं, जिनमें से 35 से 40 प्रतिशत भाषाएं आज अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। इसके विपरीत हिन्दी अब दुनिया की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है। 'एथ्नोलॉग' की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, हिन्दी के 61.5 करोड़ मूल वक्ता हैं। यह आंकड़ा भाषा के प्रसार और इसकी प्रभावशीलता का प्रमाण है। मन्दारिन और अंग्रेजी के बाद हिन्दी की यह स्थिति केवल आंकड़ों की बात नहीं है बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक शक्ति का वैश्विक स्वीकार भी है। वर्षों से हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर लाने के प्रयास किए जाते रहे हैं। जून 2022 में जब संयुक्त राष्ट्र ने हिन्दी, उर्दू और बांग्ला में जानकारी उपलब्ध कराने की पहल की तो यह हिन्दी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था। इससे स्पष्ट हुआ था कि वैश्विक संस्थाएं अब भारतीय भाषाओं की उपेक्षा नहीं कर सकती। दुनिया के 50 से अधिक देशों में 150 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिन्दी एक विषय के रूप में पढ़ाई जाती है। अमेरिका, जर्मनी, रूस, फ्रांस, जापान, पोलैंड, नेपाल, फिजी, मॉरीशस जैसे देशों में हिन्दी के अध्ययन और शोध को लेकर विशेष रुचि देखी जा रही है। यूजीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में भारत में हिन्दी सीखने आने वाले विदेशी विद्यार्थियों की संख्या में 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित फिजी में हिन्दी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। वहां फिजी हिन्दी महापरिषद जैसी संस्थाएं हिन्दी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय हैं। मॉरीशस में 2002 में स्थापित विश्व हिन्दी सचिवालय हिन्दी भाषा के अंतर्राष्ट्रीय प्रसार का सशक्त मंच बना हुआ है। यहां से विश्व हिन्दी पत्रिका और विश्व हिन्दी समाचार जैसे प्रकाशनों के जरिए हिन्दी की वैश्विक उपस्थिति मजबूत की जा रही है। रूस में भी हिन्दी साहित्य का प्रभाव गहराता जा रहा है। अनेक रूसी विद्वान तुलसीदास, प्रेमचंद, माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा जैसे भारतीय लेखकों के साहित्य का रूसी में अनुवाद कर रहे हैं। रूस के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा और साहित्य का व्यापक अध्ययन होता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि साहित्यिक दृष्टि से भी हिन्दी की जड़ें वैश्विक धरातल पर गहरी हो रही हैं। हिन्दी को ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने भी सम्मान दिया है। 'बच्चा', 'अच्छा', 'दादागिरी', 'पंडित', 'जुगाड़', 'गुलाब जामुन' जैसे अनेक हिन्दी शब्द अब इस प्रतिष्ठित शब्दकोश का हिस्सा बन चुके हैं। यह उस सांस्कृतिक प्रभाव की मान्यता है, जो हिन्दी शब्दों के जरिए दुनिया में फैल रहा है। अमेरिका की 'ग्लोबल लैंग्वेज मॉनीटर' संस्था हिन्दी की शब्दसंपदा को समृद्ध बता चुकी है। एक अनुमान के अनुसार हिन्दी में 1.25 लाख से अधिक शब्द हैं। वहीं, अमेरिका की 2023 की जनगणना रिपोर्ट बताती है कि वहां हिन्दी बोलने वालों की संख्या 10 लाख से अधिक हो चुकी है। 2011 की तुलना में यह वृद्धि अभूतपूर्व है।

डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे से खुली मप्र में निवेश की नई राहें

हर्षवर्धन पान्डे

जहाँ एक तरफ मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा ने देश के हृदयस्थल मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश के मानचित्र पर एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने का कार्य किया है वहीँ दूसरी तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे ने मध्यप्रदेश में निवेश, रोजगार सृजन और तकनीकी सहयोग की दृष्टि से नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। यह दौरा आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यटन क्षेत्रों में मध्यप्रदेश की वैश्विक पहचान को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुआ है। डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश अपनी औद्योगिक और आर्थिक प्रगति के लिए लगातार प्रयासरत रहा है।

भारत का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में औद्योगिक और आर्थिक प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उनके विजन और निवेशकों के प्रति सरकार की पारदर्शी नीतियों ने आज मध्यप्रदेश को देश के सबसे आकर्षक निवेश स्थलों में से एक बना दिया है। हाल के वर्षों में डॉ. यादव की विदेश यात्राओं और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव जैसे नवाचारों ने राज्य में निवेश की लहर को बूस्टर डोज देने का काम किया है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को निवेश के लिए बेहतर स्टेट बनाने के लिए 18 प्रकार की पारदर्शी औद्योगिक नीतियां लागू की हैं। इन नीतियों की बदौलत आज निवेशकों को सिंगल विंडो सिस्टम, बिजली बिलों में छूट, और जमीन आवंटन में आसानी जैसे लाभ प्राप्त हो रहे हैं। डॉ. यादव ने निवेशकों को आश्वासन दिया है कि मध्यप्रदेश में निवेश करने पर उन्हें किसी भी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। उनकी यह प्रतिबद्धता निवेशकों के बीच विश्वास जगाने में सफल रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने बेहद कम समय में निवेश, रोजगार सृजन और शहरी विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उनकी पारदर्शी नीतियां, वैश्विक मंचों पर सक्रिय भागीदारी और रोजगार व कौशल विकास पर विशेष जोर ने मध्यप्रदेश को आज भारत का सबसे प्रगतिशील राज्य बना दिया है। निवेश के लिए उनकी लगातार हो रही विदेश यात्राएं अब राज्य की आर्थिक समृद्धि और रोजगार सृजन की दिशा में एक नया अध्याय लिख रही हैं। डॉ. यादव का यह मिशन मध्यप्रदेश को न केवल निवेश का केंद्र बनाएगा, बल्कि इसे धार्मिक, सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में भी वैश्विक पहचान मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने निवेश के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलताएं प्राप्त की हैं। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से लगभग 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा इंग्लैंड, जर्मन और जापान जैसे देशों से 78 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जो राज्य में 3 लाख से अधिक रोजगार सृजन की संभावना को दर्शाते हैं। इन निवेशों ने मध्यप्रदेश को टेक्सटाइल, रिन्यूएबल एनर्जी, खाद्य प्रसंस्करण, और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में अग्रणी बनाने में मदद की है।हाल ही में लुधियाना में उद्योगपतियों के साथ हुए इंटरेक्टिव सेशन में मध्यप्रदेश को 15,606 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जिससे 20,275 से अधिक रोजगार सृजित होंगे।

जहाँ एक तरफ मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा ने देश के हृदयस्थल मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश के मानचित्र पर एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने का कार्य किया है वहीँ दूसरी तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे ने मध्यप्रदेश में निवेश, रोजगार सृजन और तकनीकी सहयोग की दृष्टि से नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। यह दौरा आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यटन क्षेत्रों में मध्यप्रदेश की वैश्विक पहचान को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुआ है।डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश अपनी औद्योगिक और आर्थिक प्रगति के लिए लगातार प्रयासरत रहा है। हाल के वर्षों में राज्य सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई नीतिगत सुधार किए हैं जिनमें उद्योग-अनुकूल नीतियां, रियायती भूमि आवंटन और पूंजीगत अनुदान जैसे प्रावधान शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव का दुबई दौरा भारत-यूएई व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने और मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश के लिए एक विश्वसनीय केंद्र के रूप में स्थापित करने में सफल साबित हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई में कई प्रमुख वैश्विक कंपनियों और व्यापारिक संगठनों के साथ उच्च-स्तरीय बैठकें की जिनमें लुलु ग्रुप, सराफ डीजी, ईसा एआई अल गुरैर ग्रुप, गल्फ इस्लामिक इन्वेस्टमेंट्स, जी42 इंडिया और टाटा संस मिडिल ईस्ट जैसी कंपनियां शामिल रही। इन बैठकों में स्वास्थ्य, लॉजिस्टिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, और वस्त्र जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इन बैठकों में मध्यप्रदेश में निवेश के संभावित क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), लॉजिस्टिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा पर चर्चा हुई। विशेष रूप से धार में पीएम मित्रा पार्क (वस्त्र), तामोट और बिलौआ में प्लास्टिक पार्क, उज्जैन में मेडिकल डिवाइस पार्क, पीथमपुर में ऑटो, भोपाल में इलेक्ट्रॉनिक्स, और देवास में फार्मा क्लस्टर जैसे परियोजनाओं को निवेशकों के सामने प्रस्तुत किया गया। गल्फ महाराष्ट्र बिजनेस फोरम और मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम) के साथ हुई चर्चाओं में आपसी सहयोग की नई संभावनाओं पर विचार किया गया। इसके अलावा जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के साथ बैठक में लॉजिस्टिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर जोर दिया गया।दुबई में आयोजित इन्वेस्ट मध्यप्रदेश दुबई बिजनेस फोरम एंड नेटवर्किंग डिनर इस दौरे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा जहाँ अपनी डिनर डिप्लोमैसी से डॉ. यादव ने निवेशकों को मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं और निवेश-अनुकूल नीतियों से अवगत कराया। एमपी की पर्यटन क्षेत्र में जबरदस्त ब्रांडिंग के लिए और भरपूर निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक राउंडटेबल बैठक का आयोजन भी किया गया जहाँ निवेशकों ने मध्यप्रदेश के पर्यटन की प्रशंसा की।

स्वास्थ्य बनाम स्वादः समोसा और जलेबी से सावधान!

ललित गर्ग

भारत जैसे विविधताओं वाले देश में जहां हर नुक्कड़ पर समोसे की महक और जलेबी की मिठास लोगों को आकर्षित करती है, वहीं यह स्वादिष्ट व्यंजन अब स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी बनते जा रहे हैं। हमारी परंपराओं और खानपान में गहराई से जुड़े समोसा, कचोरी और जलेबी जैसे तली-भुनी और अत्यधिक मीठी चीजें अब मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों का प्रमुख कारण बन गई हैं। इन्हीं कारणों से देशभर में एक जागरूकता अभियान शुरू करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए जनजागृति अभियान शुरु हुआ है। तले हुए व्यंजनों के उपभोग को कम करने की दिशा में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय एवं बढ़ती स्वास्थ्य चिन्ताओं को देखते हुए क्रांति का शंखनाद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिट इंडिया अभियान के तहत तेल और चीनी का उपभोग कम करने का आह्वान किया था। केन्द्र सरकार की सक्रियता से जैसे सिगरेट के पैकेट पर स्वास्थ्य चेतावनी होती है, ठीक वैसी ही चेतावनी इन तैलीय और मीठे खाद्य पदार्थों के बारे में जारी होगी। बड़े पैमाने पर इस बात का प्रचार रेडियो एवं अन्य टीवी चैनलों के माध्यमों से किया जा रहा है कि तैलीय या जरूरत से ज्यादा मीठे खाद्य पदार्थों के उपभोग से दूर रहा जाए।

मोटापे एवं अन्य असाध्य बीमारियों की गंभीर स्थिति से जुड़े चौंकाने वाले तथ्य चिन्ताजनक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चीनी और ट्रांस वसा को मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग के मुख्य कारणों में गिनते हैं। भारत में हर 5 में से 1 व्यक्ति मोटापे का शिकार है, और इसके पीछे मुख्य कारण अत्यधिक तला-भुना भोजन है। दुनिया में मोटापे के मामले में भारत दूसरे नम्बर पर है। डब्लूएचओ के अनुसार, भारत में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 2045 तक 13.4 करोड़ तक पहुंच सकती है, जो दुनिया में सबसे अधिक होगी। बच्चों में बढ़ती मोटापे की दर का एक बड़ा कारण स्कूलों के आसपास मिलने वाले समोसा, कचोरी, बर्गर जैसी चीजें हैं। समोसा और कचोरी जैसी चीजों को बार-बार एक ही तेल में तला जाता है, जिससे उसमें ट्रांस फैट और कैंसरकारी तत्व (ऐक्रिलामाइड) पनपने लगते हैं। ये हृदय की धमनियों को सख्त कर देते हैं और कोलेस्ट्रॉल बढ़ाते हैं। जलेबी को चीनी के गाढ़े सिरप-चासनी में डुबोया जाता है, जिससे शरीर में तुरंत ग्लूकोज की मात्रा बढ़ती है। यह स्थिति इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायबिटीज और फैटी लिवर जैसी बीमारियों को न्योता देती है। समोसा और कचोरी में मैदा का अत्यधिक उपयोग होता है, जो पाचन को धीमा करता है। इससे गैस, कब्ज, अम्लपित्त और मोटापा जैसे विकार उत्पन्न होते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समय-समय पर देशवासियों को न केवल सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए प्रेरित किया है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने का भी आह्वान किया है। हाल ही में उन्होंने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए देशवासियों से खाद्य पदार्थों में तेल की मात्रा कम करने और मोटापे जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचने की अपील की है। मोदी ने इस बढ़ती स्वास्थ्य समस्या पर चिंतन करते हुए कहा हमें अपने खान-पान में बदलाव करना होगा। कम तेल, कम नमक और कम चीनी-यही स्वास्थ्य की कुंजी है।' मोदी का आह्वान -तेल कम करें, जीवन स्वस्थ बनाएं है। क्योंकि अति तेल में तंदुरुस्ती नहीं, बीमारी का प्रवेश द्वार है। ध्यान रहे, देश में मोटापा बढ़ रहा है और इसके खिलाफ जागरूकता भी बढ़ रही है। यह भी कहा गया है कि लोग अपने भोजन में तेल को कम करके विकसित भारत बनाने में सहायक हो सकते हैं। इसी कड़ी में समोसे, जलेबी और स्वास्थ्य के लिए घातक व्यंजनों को अगर आधिकारिक रूप से निशाने पर लिया गया है, तो अचरज की बात नहीं, बल्कि वक्त की बड़ी जरूरत है।

भारत में रसोई का अभिन्न हिस्सा है तेल। परंतु आज जिस प्रकार से हर व्यंजन में अत्यधिक तेल का प्रयोग बढ़ता जा रहा है, इससे मोटापा भारत की बड़ी स्वास्थ्य समस्या बन गयी है, उसने अन्य अनेक बीमारियों को प्रोत्साहन देते हुए स्वास्थ्य संकट को जन्म दे दिया है। तले-भुने खाद्य पदार्थ जैसे समोसा, कचोरी, पकौड़ी, पूड़ी, जलेबी, फास्ट फूड, आदि मोटापा, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसी बीमारियों का कारण बनते जा रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य संस्थानों को कैफेटेरिया और सार्वजनिक स्थानों पर साफ तौर पर 'तेल और चीनी के चेतावनी बोर्ड' लगाने का निर्देश दिया गया है। ये सूचनात्मक पोस्टर खासे लोकप्रिय खाद्य पदार्थों में वसा और चीनी की मात्रा को उजागर करेंगे। तले हुए और चीनी से भरपूर खाद्य पदार्थों को हतोत्साहित करने का समय आ गया है। इसकी शुरुआत अस्पतालों में चल रहे लापरवाह रेस्तरां से होनी चाहिए। तमाम रेस्तरां और मिष्ठान भंडारों पर इस चेतावनी को लटकाना आवश्यक है। ऐसा नहीं है कि लोग समोसा या जलेबी खाना छोड़ देंगे, पर उनमें सजगता आएगी। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बिमल छाजेड़ पिछले तीन दशकों से 'जीरो ऑयल' की खानपान पद्धति के माध्यम से हृदय रोगियों का प्रभावी इलाज कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली के सूत्र प्रस्तुत करते हुए जनता से आह्वान किया है कि तेल का सीमित उपयोग करते हुए पकवानों को तलने के बजाय भूनें, उबालें या भाप में पकाएं। शारीरिक गतिविधि बढ़ाने के लिये रोड़ाना योग, प्राणायाम, टहलना या व्यायाम करें। घर में जंक फूड बंद करें, बच्चों को ताजे फल, सूखे मेवे, अंकुरित अनाज दें। रोगों से नहीं, आदतों से लड़ें। खानपान में नियंत्रण सबसे बड़ा उपचार है। अतः बचाव के उपाय जरूरी हैं। पिछले दिनों, हर व्यक्ति से अपने भोजन में तेल की खपत को दस प्रतिशत तक कम करने की अपील की गई है। कुछ लोग अवश्य सुधार की ओर बढ़े होंगे और अब जब समोसे, जलेबी जैसे खाद्य पदार्थों पर चेतावनी रहेगी, तो खानपान में सुधार की गति को और बल मिलेगा। मोदीजी के नेतृत्व में शुरू हुआ 'फिट इंडिया मूवमेंट' सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का संदेश है। यह देश को बीमारियों के बोझ से मुक्त करने की दिशा में उठाया गया क्रांतिकारी कदम है। इस आंदोलन में लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि स्वस्थ व्यक्ति ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करता है।

टेरर फंडिंग का खुलासा- आतंकवाद को वित्त पोषण भी भ्रष्टाचार का ही रूप है

किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ आतंकवाद के दंश से पीि?त है, दुनियाँ के करीब- करीब हर देश में किसी ने किसी रूप या भेष में आतंकवाद सर उठाए खड़ा है जो उसे देश की उन्नति प्रगति व विकास में बाधा उत्पन्न कर रहा है,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हर देश की प्राथमिकता अपने देश में लॉ एंड ऑर्डर कायम रखकर अपने देश के नागरिकों का जीवन भय मुक्त बनानाहै,इसीलिए हर देश को आतंकवाद समाप्त करने में योगदान देना जरूरी है। भारत भी उन पीड़ित देशों में से एक है, लेकिन अब भारत ने आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ा जनजागरण अभियान छेड़ दिया है, व घोषणा कर दी है कि आतंकवाद व उनके आकाओं में अब हम फर्क नहीं समझेंगे, वैश्विक स्तरपर आतंकवाद पूरी दुनियाँ के हर देश के लिए गंभीर समस्या बन चुका है,तो उसका पर्याय भ्रष्टाचार भी एक गंभीर समस्या है,क्योंकि यह दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, आतंकवाद को वित्त पोषण भी एक भ्रष्टाचार का ही रूप है, जिस? सहयोग से आतंकवाद उत्पन्न होता है और फलता फूलता है,यानें अस्तित्व में आता है। वैसे तो दशकों से आतंकवाद व भ्रष्टाचार का चोली दामन का साथ है, क्योंकि वित्त पोषण यानें भ्रष्टाचार नहीं होगा तो, आतंकवाद पनपता ही नहीं। वैसे तो आतंकवादियों द्वारा बड़ी-बड़ी घटनाएं धमाकों को अंजाम दिया गया है, जिसमें हजारों लाखों लोगों की जान चली गई है, जिसके अनेक उदाहरण है जिसका अभी सटीक उदाहरण भारत में 22 अप्रैल 2025 को दुखदपूर्ण हादसा फिर देखने को मिला जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई।चूँकि एफएटीएफ ने कम्प्रेहैन्सिव अपडेट ऑन टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क्स' रिपोर्ट जारी की इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल का माध्यम से चर्चा करेंगे टेरर फंडिंग में सोशल मीडिया,क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म्स और ऑनलाइन मार्केटप्लेस के जरिए धन एकत्रित होने का एफएटीएफ रिपोर्ट में खुलासा है आतंकवाद को जड़ से मिटाने उसके वित्तपोषण को रोकने का स्थाई समाधान ढूंढना वर्तमान समय की मांग।

साथियों बात अगर हम अभी एक दिन पूर्व एफएटीएफ द्वारा जारी रिपोर्ट में नई आधुनिक डिजिटल पद्धतियों डिजिटल सोशल ऑनलाइन मार्केटिंग का प्रयोग आतंकी टेरर फंडिंग में होने की करें तो,यह रिपोर्ट दर्शाती है कि आतंकवादी संगठन अब भी अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली का दुरुपयोग करके अपने कृत्यों को अंजाम दे रहे हैं और हमलों की योजना बना रहे हैं जिसमें आतंकवाद के वित्त-पोषण को प्रभावित करने वाले मुख्य कारकः(1) अकेले सक्रिय आतंकवादी और न्यूनतम वित्त- पोषण की आवश्यकता वाले छोटे संगठन;(2)अफ्रीका और दक्षिण एशिया में असुरक्षित एवं छिद्रिल सीमाएं;(3)आतंकवाद को कुछ देशों द्वारा दिया जा रहा राज्य-स्तरीय समर्थन(4) मुक्त व्यापार क्षेत्र की कमजोर निगरानी व नियमों की कमी आदि। आतंकवाद के वित्त- पोषण के माध्यम पारंपरिक तरीके अपने जा रहे हैं,अल- शबाब और हमास जैसे समूहों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले नकदआधारित लेन-देन,हवाला एवं अन्य अनौपचारिक तरीके, जिनका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। वर्तमान आधुनिक युग में नई पद्धतियां अपना जा रही है,जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्मः सोशल मीडिया,क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म्स और ऑनलाइन मार्केटप्लेस के जरिए धन एकत्रित करना;बिटकॉइन जैसी वर्चुअल करेंसी का उपयोग करना; ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से फंड ट्रांसफर करना आदि।आपराधिक गतिविधियांःजबरन वसूली, फिरौती के लिए अपहरण, मादक पदार्थों की तस्करी, और बोको हरम जैसे समूहों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों (जैसे- सोना, लकड़ी आदि) का अवैध व्यापार।गैर -लाभकारी और कानूनी संस्थाओं का दुरुपयोगःफ्रंट कंपनियों और शेल कंपनियों के जरिए धन छिपाना;गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) से फंड को डाइवर्ट कर आतंकी गतिविधियों में लगाना आदि। आतंकवाद के वित्त-पोषण को रोकने के लिए महत्वपूर्ण सिफारिशेंःजोखिम संकेतकों की पहचान करना जैसे- बार-बार उच्च जोखिम वाले देशों को धन अंतरण, वर्चुअल असेट्स और प्रीपेड कार्ड जैसे गुमनामी बढ़ाने वाले उपकरणों का उपयोग आदि की निगरानी करनी चाहिए। संगठित बहुपक्षीय प्रतिक्रियाः आतंकवाद के वित्त-पोषण की अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद एफएटीएफ प्रतिबंधों के तहत आतंकवादी संगठनों को बहुपक्षीय रूप से सूचीबद्ध करना चाहिए।मानकों से बाहर के क्षेत्रों तक पहुंचः सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स से उत्पन्न खतरों को बेहतर ढंग से समझने तथा उनसे निपटने के लिए लक्षित सार्वजनिक - निजी साझेदारी विकसित करनी चाहिए,यह रिपोर्ट दर्शाती है कि आतंकवादी संगठन अब भी अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली का दुरुपयोग करके अपने कृत्यों को अंजाम दे रहे हैं और हमलों की योजना बना रहे हैं।आतंकवाद के वित्त- पोषण को प्रभावित करने वाले मुख्य कारकःअकेले सक्रिय आतंकवादी और न्यूनतम वित्त- पोषण की आवश्यकता वाले छोटे संगठन;अफ्रीका और दक्षिण एशिया में असुरक्षित एवं छिद्रिल सीमाएं;आतंकवाद को कुछ देशों द्वारा दिया जा रहा राज्य-स्तरीय समर्थन;मुक्त व्यापार क्षेत्र की कमजोरनिगरानी व नियमों की कमी आदि।आतंकवाद के वित्त-पोषण के माध्यम पारंपरिक तरीकेः अल- शबाब और हमास जैसे समूहों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले नकद आधारित लेन-देन, हवाला एवं अन्य अनौपचारिक तरीके, जिनका पता लगाना मुश्किल हो जाता है।नई पद्धतियांःडिजिटल प्लेटफॉर्मःसोशल मीडिया, क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म्स और ऑनलाइन मार्केटप्लेस के जरिए धन एकत्रित करना; बिटकॉइन जैसी वर्चुअल करेंसी का उपयोग करना; ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से फंड ट्रांसफर करना आदि।आपराधिक गतिविधियांःजबरन वसूली, फिरौती के लिए अपहरण, मादक पदार्थों की तस्करी, और बोको हरम जैसे समूहों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का अवैध व्यापार।गैर-लाभकारी और कानूनी संस्थाओं का दुरुपयोगःफ्रंट कंपनियों और शेल कंपनियों के जरिए धन छिपाना;गैर-सरकारी संगठनों से फंड को डाइवर्ट कर आतंकी गतिविधियों में लगाना आदि।आतंकवाद के वित्त- पोषणको रोकने के लिए महत्वपूर्ण सिफारिशेंः जोखिम संकेतकों की पहचान करनाः जैसे- बार-बार उच्च जोखिम वाले देशों को धन अंतरण, वर्चुअल असेट्स और प्रीपेड कार्ड जैसे गुमनामी बढ़ाने वाले उपकरणों का उपयोग आदि की निगरानी करनी चाहिए।संगठित बहुपक्षीय प्रतिक्रियाःआतंकवाद के वित्त-पोषण की अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रतिबंधों के तहत आतंकवादी संगठनों को बहुपक्षीय रूप से सूचीबद्ध करना चाहिए।एफएटीएफ मानकों से बाहर के क्षेत्रों तक पहुंचः सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स से उत्पन्न खतरों को बेहतर ढंग से समझने तथा उनसे निपटने के लिए लक्षित सार्वजनिक-निजी साझेदारी विकसित करनी चाहिए।

साथियों बात अगर हम आतंकवाद को समाप्त करने की करें तो जब तक उसके फलने फूलने के रास्तों को ढूंढ कर उन्हें नष्ट नहीं करेंगे, तब तक यह समस्या यूं ही फलती फूलती रहेगी और मुंह फाड़े नुकसान पहुंचाती रहेगी इसलिए इसकी सबसे महत्वपूर्ण जड़ कोई है तो वह टेरर कैंप,डर्टी माइंड,ब्रेनवाश, बेरोजगारी, हेट स्पीच जैसी अनेकों जड़े हैं और इन जड़ों के पनपने का एक महत्वपूर्ण रास्ता है वित्तपोषण याने टेरर फंडिंग इसलिए यदि इसकी इस मूल जड़ को ही काटा जाए तो इसके सहभागी जड़ों पर अपने आप विपरीत प्रभाव पड़ जाएगा और समाप्ति की ओर कदम बढ़ जाएंगे इसलिए नो मनी फॉर टेरर पर वैश्विक एकता बनाकर कार्य योजना तैयार कर उसे सख्ती से क्रियान्वयन करने का की आवश्यकता को रेखांकित करना वर्तमान समय की मांग है।

कोख में कत्ल होती बेटियाँः हरियाणा की घुटती संवेदना

प्रियंका सौरभ

हरियाणा में केवल तीन महीनों में एक हज़ार एक सौ चौवन गर्भपात। कारण ङ्क कन्या भ्रूण हत्या की आशंका। छप्पन आशा कार्यकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस। निगरानी प्रणाली में चूक। पश्च परीक्षण प्रणाली और पुलिस के सहयोग से कठोर कार्यवाही की तैयारी। किन्तु क्या यह सख़्ती पर्याप्त है? जब तक समाज की सोच, पारिवारिक मानसिकता और चिकित्सा संस्थानों की नैतिकता में बदलाव नहीं आएगा, तब तक कोई योजना सफल नहीं होगी। बेटी को बचाने के लिए उसका जन्म गर्व का विषय बनाना होगा, अपराधबोध का नहीं। जिस धरती पर दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी जैसी नारियों की पूजा होती है, उसी धरती पर बेटियाँ आज भी माँ की कोख में दम तोड़ रही हैं। हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने हरियाणा की उस कड़वी सच्चाई को फिर से उजागर किया है, जिसमें तीन महीनों में एक हज़ार एक सौ चौवन गर्भपात दर्ज किए गए – जिनमें अधिकांश के पीछे पुत्री होने की संभावना प्रमुख कारण मानी जा रही है।यह आँकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि हमारे समाज के भीतर छुपी पुरुषप्रधान सोच, भेदभावपूर्ण मानसिकता और शासन-प्रशासन की विफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए आशा कार्यकर्ताओं को सहेली की भूमिका में तैनात किया था। उनका कर्तव्य था कि वे गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी करें, उनके स्वास्थ्य की देखरेख करें, और सही सलाह देकर उन्हें सहयोग प्रदान करें। किन्तु छप्पन आशा कार्यकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाना यह दर्शाता है कि इस निगरानी प्रणाली में गम्भीर लापरवाही हुई है।

क्या ये कार्यकर्ता जानबूझकर लापरवाह थीं, या उनके पास संसाधनों की कमी थी? क्या वे सामाजिक दबाव, भय अथवा अव्यवस्था के कारण चुप रहीं? यह गहन जाँच का विषय है, क्योंकि केवल दंड देना समाधान नहीं, अपितु इस समस्या का संवेदनशील समाधान आवश्यक है।

हमारे देश में गर्भधारण से पूर्व एवं पूर्व प्रसव भ्रूण परीक्षण निषेध अधिनियम के अंतर्गत भ्रूण की लिंग जाँच तथा लिंग के आधार पर गर्भपात एक दंडनीय अपराध है। परंतु यह अधिनियम केवल काग़ज़ों तक सीमित रह गया है। हरियाणा में कई स्थानों पर अवैध भ्रूण परीक्षण केंद्र, निजी चिकित्सा केंद्रों की मिलीभगत, तथा पैसे के लालच में लिंग जाँच और भ्रूण हत्या आज भी बेरोक-टोक जारी है। इन केंद्रों पर रोक लगाने हेतु बनाए गए विशेष दस्तों तथा निरीक्षण टीमों की सक्रियता केवल औपचारिकता बनकर रह गई है।

स्वास्थ्य विभाग ने गर्भपात करवाने वाली महिलाओं की पश्च परीक्षण प्रणाली को अधिक कठोर करने की घोषणा की है तथा विशेष रूप से उन महिलाओं की निगरानी बढ़ाने की बात कही है, जिनकी पहले से एक या अधिक पुत्रियाँ हैं। उद्देश्य सकारात्मक है, परंतु यदि इसे संवेदनशीलता और सम्मान के साथ लागू नहीं किया गया, तो यह कदम स्वयं महिलाओं के स्वास्थ्य अधिकारों और निजता पर प्रहार बन सकता है।

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाते समय ना करें ये छोटी-छोटी गलतियां

अपनी स्किन की केयर करने के लिए हम सभी कई तरह के इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन्हीं में से एक है मुल्तानी मिट्टी। खासतौर से, ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। इससे ना केवल चेहरे को ताजगी मिलती है, बल्कि एक चमक भी आती है। अक्सर अपनी स्किन को ठंडक देने और उसे पैम्पर करने के लिए हम मुल्तानी मिट्टी को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं।

इस बात में कोई दोराय नहीं है कि मुल्तानी मिट्टी आपकी स्किन के लिए बहुत अधिक फायदेमंद है। लेकिन इसे सही तरह से इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। अगर आप इसे गलत तरीके से अपनी स्किन पर अप्लाई करती हैं, तो ये चेहरे को निखारने के बजाय और ज़्यादा रूखा-सूखा और बेजान बना सकती है। जी हां, मुल्तानी मिट्टी भले ही नेचुरल हो, लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मुल्तानी मिट्टी को चेहरे पर लगाते समय की जाने वाली कुछ छोटी-छोटी गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको वास्तव में बचना चाहिए-

मास्क को बहुत देर तक लगाए रखना

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

बिना टेस्ट किए लगाना

हर किसी की त्वचा अलग होती है। किसी को एलर्जी भी हो सकती है। इसलिए पहली बार में ही मुल्तानी मिट्टी को पूरे चेहरे पर लगाने से बचना चाहिए। हमेशा पहले थोड़ा सा पेस्ट हाथ या कान के पीछे लगाकर देखो। अगर आपको किसी तरह की जलन या रेडनेस का अहसास हो रहा है तो इसे अवॉयड करें।

हर दिन मुल्तानी मिट्टी लगाना

यह सच है कि मुल्तानी मिट्टी स्किन को फायदा पहुंचाती है, लेकिन इसे हर दिन लगोन से बचना चाहिए। मुल्तानी मिट्टी रोज़ाना लगाने वाली चीज़ नहीं है, खासकर अगर त्वचा ड्राय या सेंसिटिव हो। इससे आपकी स्किन को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, मास्क को हफ्ते में 1 या 2 बार ही लगाएं।

सिर्फ मुल्तानी मिट्टी ही लगाना

भले ही आप मुल्तानी मिट्टी का मास्क बना रही हैं, लेकिन उसमें सिर्फ पानी मिक्स करके नहीं लगाना चाहिए। यह आपकी स्किन पर थोड़ा हार्श हो सकता है। हमेशा अपने स्किन टाइप के हिसाब से कुछ इंग्रीडिएंट्स मिक्स करों। मसलन, अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आप शहद, दूध या एलोवेरा मिक्स करें। ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी के साथ गुलाब जल, नींबू का रस, चंदन पाउडर का इस्तेमाल करना अच्छा माना जाता है। अगर आपकी स्किन सेंसेटिव है तो ऐसे में खीरे का रस या दही इस्तेमाल करें।

दुल्हन के पैरों के लिए परफेक्ट हैं ये 5 मेहंदी डिजाइंस, हर कोई कह उठेगा वाह

पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को खूबसूरत डिजाइन से भरा जा सके।

हाथों के अलावा दुल्हन के पैरों की मेहंदी डिजाइन पर भी लोगों की निगाहें टिकी रहती हैं। पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को खूबसूरत डिजाइन से भरा जा सके। ऐसे में हम आपको लिए पैरों में लगाई जाने वाली मेहंदी की कुछ बेहद खूबसूरत डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में अगर आपकी भी जल्द ही शादी होने वाली है, तो आप भी इन मेहंदी डिजाइन्स को पैरों पर लगवा सकती हैं।

मोर वाली मेहंदी डिजाइन

आप हाथों के साथ पैरों पर भी मोर डिजाइंस बना सकती हैं। अगर आपके पैर लंबे हैं, तो आप बड़े-बड़े मोर की डिजाइन बनानी चाहिए। वहीं अगर आपके पैर छोटे हैं, तो आप पतले और पंख फैलाए मोर की आकृति भी बना सकती हैं। मोर के अलावा आप पैरों में बगीचे का भी डिजाइन बना सकती हैं। इस डिजाइन में आप पेड़-पौधे, फूल, झरोखे और फाउंटेन आदि बना सकती हैं। इससे मेहंदी भी भरी नजर आएगी।

जाल मेहंदी डिजाइन

जाल मेहंदी डिजाइन लगाने में आसान होने के साथ काफी खूबसूरत भी लगती है। कम समय में इस डिजाइन से आपके पैर इतने भर जाएंगे कि आपको दूसरी डिजाइन के बारे में सोचना भी नहीं पड़ेगा। जाल मेहंदी डिजाइन में आपको बहुत सारे पैटर्न मिल जाएंगे। आप बॉर्डर, फूलों, ब्लॉक्स और बेल आदि की डिजाइन बना सकती हैं। वहीं जाल को भरने के लिए अलग तरह की डिजाइस के एलिमेंट्स का भी प्रयोग कर सकती हैं। अगर आपने पंजे को जाल वाली डिजाइन से भर दिया है, तो आप ऊपर की ओर मेहराब, चक्र और बॉर्डर डिजाइंस लगा सकती हैं।

झूमर मेहंदी डिजाइन

झूमर मेहंदी डिजाइन देखने में काफी अच्छी लगती है। यदि आप इसको पैरों में लगा रही हैं, तो यह रॉयल टच देगी। पैरों के साइज के आधार पर आप छोटे या बड़े झूमर बना सकती हैं। झूमर के साथ ही हाथ और घोड़ा का डिजाइन काफी ज्यादा अच्छा लगता है। झूमर के साथ बारात-डोली और छतरियां आदि की डिजाइंस भी बनवा सकती हैं। यह मेहंदी को ज्यादा वेडिंग टच देती है।

ब्लॉक मेहंदी डिजाइन

अगर आप कम समय में दुल्हन के पैरों को यूनिक डिजाइन से सजाना चाहती हैं, तो आप ब्लॉक मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। इस मेहंदी डिजाइन में अलग-अलग तरह के ब्लॉक लॉक्स बना सकती हैं। यह ब्लॉक्स कस्टमाइज भी हो सकते हैं। आप मेहंदी डिजाइन पर अपने प्यार की कोई निशानी बनवा सकती हैं। इस तरह के मेहंदी डिजाइन पैरों में काफी अच्छी लगती है। वहीं आप ब्लॉक मेहंदी को सपोर्ट करने के लिए इसमें बॉर्डर मेहंदी या फिर स्पाइरल बेल मेहंदी डिजाइन बनवा सकती हैं।

बेल मेहंदी डिजाइन

इस तरह ही मेहंदी डिजाइन में आपको बहुत सारे पैटर्न मिल जाएंगे। हालांकि पैरों पर फूलों की बेल या अरेबिक इतनी ज्यादा अच्छी नहीं लगती है। लेकिन पैरों में बॉडर और बारीक मेहंदी का मिश्रण काफी अच्छा लगता है। ऐसे में अगर आप पैरों में बेल मेहंदी लगाने जा रही हैं, तो थोड़ा फूल-पत्तियों को बड़ा बनाएं। आप चाहें तो पैरों पर कमल या फिर गुलाब की बेल बना सकती हैं। वहीं इसको ज्यादा खूबसूरत बनाने के लिए पराग, लताएं और केरियां आदि भी बना सकती हैं।

जींस के साथ स्टाइल करें बांधनी शॉर्ट कुर्ती, स्टाइलिश दिखने के साथ लगेंगी खूबसूरत

आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं।

कुर्ती पहनना लगभग हर लड़की को पसंद होता है। जिसके लिए वह अक्सर अलग-अलग डिजाइन और पैटर्न वाली कुर्तियां पहनती हैं। लेकिन जब भी जींस के साथ कुर्ती पहनने की बात होती है, तो अक्सर प्रिंटेड डिजाइन वाली कुर्ती तलाश करते हैं। ऐसे में आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं।

गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती

अगर आप भी अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाना चाहती हैं, तो आपको गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती कैरी करनी चाहिए। गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती में आपको नेकलाइन पर गोटा वर्क मिलेगा और स्लीव्स पर भी बॉर्डर मिलेगा। मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-800 रुपए तक मिल जाएगी।

प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती

यदि आप भी शॉर्ट कुर्ती पहनने के लिए प्रिंट सर्च कर रही हैं, तो आपको प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती स्टाइल करनी चाहिए। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। हालांकि इसमें आपको किसी तरह का वर्क नहीं मिलेगा। इसमें आपको वी नेकलाइन और प्रिंटेड डिजाइन मिलेगा। इससे आपका लुक बहुत प्यारा आएगा। मार्केट में यह कुर्ती 200-400 रुपए के बीच मिल जाएगी।

स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती

आप चाहें तो स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती भी ट्राई कर सकती हैं। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। इस तरह की कुर्ती में आपको बड़े प्रिंट वाला डिजाइन मिलेगी। आपको मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-500 रुपए के बीच में आसानी से मिल जाएगी।

बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती

आप बांधनी प्रिंट वाले अनारकली सूट को जींस के साथ पेयर कर सकती हैं। यह अनारकली कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगती है।

इसमें आपको पूरे में बांधनी प्रिंट मिलेगा। हालांकि इसमें आपको ज्यादा ऑप्शन नहीं मिलेंगे। लेकिन मार्केट में आपको 200-500 रुपए के बीच में बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती मिल जाएगी। इससे आपका लुक बेहद प्यारा लगेगा।

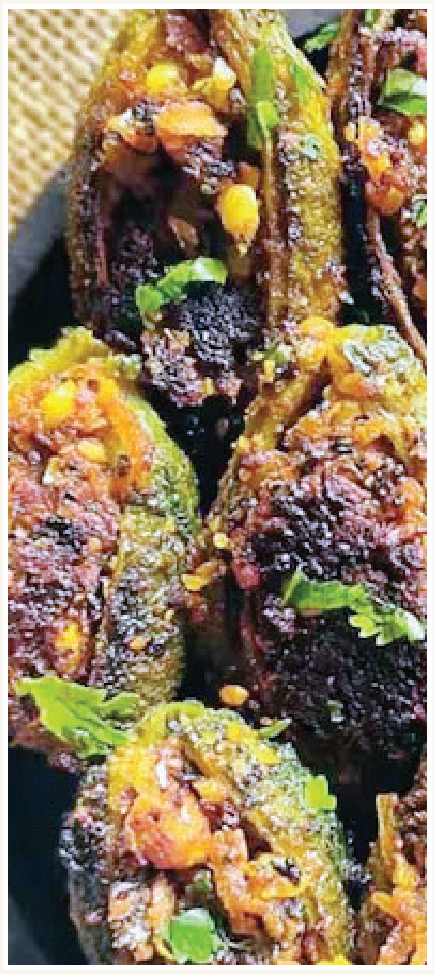

चुटकियों में दूर होगी करेले की कड़वाहट, सब्जी बनाने से पहले फॉलो करें ये आसान टिप्स

करेला खाना हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन ए, फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम और कई तरह के एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो बॉडी में जरूरी पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं। हालांकि, करेले का स्वाद काफी कड़वा होता है, जिससे कई लोग खाना पसंद नहीं करते हैं। आप कुछ आसान टिप्स को फॉलो कर करेले की कड़वाहट को आसानी से कम कर सकते हैं। करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं, जिन्हें आप आसानी से फॉलो कर सकते हैं।

नमक लगाकर रखें

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप इसमें नमक को मिला सकते हैं। इसके लिए आप पहले करेले को काट लें और इसमें नमक को मिलाकर करीब आधे घंटे तक रख दें। इससे करेले से पानी निकलेगा और उसकी कड़वाहट आसानी से निकल जाएगी। अब आप इसको साफ पानी से धो लें। अब आप इसकी सब्जी बना सकते हैं।

सब्जी बनाने से पहले करेले को उबालें

करेले को काटने के बाद आप इसे उबाल सकते हैं। उबालने के लिए आप एक पैन में पानी लें और उसमें हल्का नमक डालकर करीब सात मिनट तक उबाल लें। इससे करेले की कड़वाहट कम होती है।

दही या छाछ का करें उपयोग

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप दही या छाछ का भी उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए आप दही या छाछ में करेले को मिलाकर रख दें। इससे करेले का स्वाद भी बेहतर होता है। अब आप इससे भरवां करेला भी बना सकते हैं।

प्याज और मसालों से करें कड़वाहट कम

करेले की सब्जी बनाते समय प्याज, लहसुन, सौंफ, अमचूर या फिर नींबू के रस को डालकर भी आप इसकी कड़वाहट को कम कर सकते हैं। ये सामग्री इसकी स्वाद को बढ़ाती ही है और करेले की कड़वाहट भी कम करती है।

सब्जी बनाते समय निकालें बीज

पके करेले में कड़वाहट अधिक होती है। ऐसे में आप सबसे पहले करेले काटते समय आप बीज को निकाल लें। दरअसल, बीजों में कड़वाहट होती है और इसको निकालने से स्वाद भी बेहतर होता है।

ट्रंप का पूरा जोर टेक्सास पर, कांग्रेस में मजबूत स्थिति के लिए जीतना चाहते हैं पांच सीट

वॉशिंगटन

वाशिंगटन, 16 जुलाई (हि.स.)। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस समय सबसे बड़ी चिंता कांग्रेस में रिपब्लिकन की मजबूत स्थिति को बरकरार रखना है। उन्होंने पार्टी के सामने टेक्सास की पांच सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। ट्रंप ने कहा कि यह असंभव नहीं है। अगर मेहनत की जाए तो पार्टी पांच सीटें जीत सकती है।

खबर के अनुसार, इस समय रिपब्लिकन का टेक्सास के 38 कांग्रेसी जिलों में से 25 पर नियंत्रण रखते हैं। ट्रंप अगले सप्ताह के विशेष विधायी सत्र में पांच और सीटें बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। उनका फोकस दक्षिण टेक्सास के दो जिले हैं। यहां डेमोक्रेटिक प्रभावी हैं।

पिछले साल ट्रंप ने प्रतिनिधि हेनरी क्यूएलर के जिले में 7 अंकों और प्रतिनिधि विसेंट गोंजालेज के जिले में 4 अंकों से बढ़त हासिल की थी। क्यूएलर ने अपनी सीट 6 अंकों से कम अंतर से जीती, जबकि गोंजालेज ने 3 अंकों से कम अंतर से। डेमोक्रेटिक जिलों में रिपब्लिकन मतदाताओं को लुभाने की कोशिश से रिपब्लिकन-नियंत्रित जिलों में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की संभावना है। ट्रंप ने गवर्नर ग्रेग एबॉट पर इसके लिए दबाव बनाया है। स्टीव कोर्नेकी ने हाल ही में उल्लेख किया है राष्ट्रपति की पार्टी ने पिछले 15 मध्यावधि चुनाव में से 13 में हाउस सीटें गंवाई हैं। सेन जॉन कॉर्निन को राज्य के अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन से रिपब्लिकन प्राइमरी में चुनौती मिल रही है। एक्स पोस्ट में उन्होंने तर्क दिया, टेक्सास में हिस्पैनिक मतदाता तेजी से रिपब्लिकन के पक्ष में आ गए हैं। टेक्सास रिपब्लिकन को इसका बड़ा फायदा मिल सकता है। डेमोक्रेट और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम 2028 के राष्ट्रपति पद के संभावित दावेदार हैं। उन्होंने टेक्सास में रिपब्लिकन के प्रयासों का मुकाबला करने के लिए अपने राज्य के नक्शे को फिर से बनाने का प्रस्ताव भी रखा है। डेमोक्रेटिक कांग्रेसनल कैंपेन कमेटी की अध्यक्ष प्रतिनिधि सुजैन डेलबेने ने कहा कि बहुमत खोने की आशंका से रिपब्लिकन नए-नए तरीके खोज रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में कांग्रेस संघीय सरकार की विधायी शाखा है।

न्यूज ब्रीफ

कनाडा में लॉरेंस का खौफः आतंकवादी संगठन घोषित करने की मांग

ओटावा। कनाडा में लॉरेंस बिश्नोई गैंग खौफ की नई परिभाषा बन चुका है। यही कारण है कि अब उसे

आतंकवादी संगठन घोषित करने की मांग हो रही है। हिंसा, ड्रग्स, वसूली और 'टारगेटेड किलिंग्स' के आरोपों के चलते इस गैंग के खिलाफ आवाजें तेज होती जा रही हैं। अल्बर्टा प्रांत की प्रमुख डेनिएल स्मिथ ने बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करने की खुली मांग कर डाली। उनका कहना है कि यह गैंग कनाडा ही नहीं, पूरी दुनिया में अपराध फैला रहा है। भारत सरकार पहले ही कनाडा से लॉरेंस बिश्नोई गैंग के उन सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर चुकी है, जो वहां रहकर गैंग चला रहे हैं। इसमें प्रमुख नाम है गोल्डी बराड़ का जिसे पंजाबी गायक सिद्धू मूसे वाला की हत्या में मुख्य आरोपी बताया गया है। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक बिश्नोई और गोल्डी अब अलग-अलग हो गए हैं। एक संयुक्त बयान में उन्होंने कहा, लॉरेंस बिश्नोई गैंग एक ट्रांसनेशनल क्रिमिनल नेटवर्क है, जो हिंसा, वसूली, ड्रग्स तस्करी और सुनियोजित हत्याओं के लिए जिम्मेदार है। इसका दायरा वैश्विक है और मंशा पूरी तरह आपराधिक। उन्होंने कहा कि इस गैंग को आतंकी संगठन घोषित करने से स्थानीय और प्रांतीय पुलिस एजेंसियों को वह कानूनी ताकत और संसाधन मिलेंगे, जिनकी उन्हें जरूरत है, ताकि इस नेटवर्क को तोड़ा जा सके और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इससे पहले जून में ब्रिटिश कोलंबिया की मुख्यमंत्री डेविड ईबी भी इसी मांग को उठा चुके हैं। अब केंद्र सरकार पर दबाव है कि वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करे।

ताइवान में चीन की सैन्य हलचल बढ़ी

ताइपे (ताइवान)। ताइवान का स्वतंत्र राष्ट्र होना चीन को फूटी आंख नहीं सुहाता। उसकी हरचंद कोशिश है कि ताइवान चीन का हिस्सा बने। वह लंबे समय से इस कोशिश में लगा हुआ है। ताइवान के आसपास चीन के लड़ाकू विमान मंडराते रहते हैं। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सुबह देश के हवाई और जल क्षेत्र में चीन की सैन्य गतिविधियां देखी गईं। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने एक्स पोस्ट में कहा कि चीन के 18 सैन्य विमान, सात नौसैनिक जहाज और दो आधिकारिक जहाज देखे गए। 18 सैन्य विमानों में से छह मध्य रेखा को पार कर देश के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गए। चीन की कार्रवाई के जवाब में सशस्त्र बलों ने सैन्य विमान, नौसैनिक जहाज और तटीय मिसाइल प्रणालियां तैनात कीं। रक्षा मंत्रालय ने एक अन्य एक्स पोस्ट में कहा कि मंत्री वेलिंगटन कू ने कल रात रन-वे की मरम्मत में जुटे सैनिकों का कुशलक्षेम जानने के लिए हुआलिएन का दौरा किया। उल्लेखनीय है कि कल (15 जुलाई) भी चीन के सैन्य विमानों ने ताइवान में घुसपैठ की थी।

बिहार में मतदाताओं को जागरूक करेंगे अभिनेता क्रांति प्रकाश और अभिनेत्री नीतू चंद्रा

पटना। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। चुनाव आयोग ने एक्टर क्रांति प्रकाश और एक्ट्रेस नीतू चंद्रा को बड़ी जिम्मेवारी देते हुए बिहार का स्टेट स्वीप आइकॉन बनाया है। बिहार निर्वाचन विभाग द्वारा चर्चित अभिनेता क्रांति प्रकाश और प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री नीतू चंद्रा को राज्य स्तरीय स्वीप आइकॉन के रूप में नामित किया गया है। यह नामांकन मतदाता जागरूकता पर आधारित स्वीप अभियान को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मतदाता जागरूकता अभियान को मिलेगी नई ऊर्जा क्रांति प्रकाश और नीतू चंद्रा राज्य में मतदाता शिक्षा और जागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। दोनों हस्तियां स्वीप कार्यक्रम के तहत विभिन्न माध्यमों से मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया से जोड़ने में अहम भूमिका अदा करेंगी। इनके मनोनयन संबंधी प्रस्ताव को भारत निर्वाचन आयोग से औपचारिक स्वीकृति मिल चुकी है। आयोग को उम्मीद है कि जनप्रिय कलाकारों की इस भागीदारी से राज्य में मतदाता जागरूकता अभियान को नई ऊर्जा मिलेगी और ज्यादा से ज्यादा लोग मतदान के लिए प्रेरित होंगे।

हिमाचल में 22 जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी, अब तक 109 मौतें

शिमला

हिमाचल प्रदेश में मानसून का असर लगातार बना हुआ है और आने वाले दिनों में बारिश के और भी ज्यादा तेज होने की संभावना है। मौसम विभाग ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में 22 जुलाई तक भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। बुधवार को भी राजधानी शिमला और आसपास के पहाड़ी इलाकों में रुक-रुक कर बारिश होती रही, जबकि मैदानी भागों में मौसम साफ बना रहा। सिरमौर जिले में बीती रात भारी बारिश हुई, जिससे कई स्थानों पर पानी का बहाव तेज हो गया। बीते 24 घंटों में कुल्लू जिले के कोठी, सिरमौर जिले के जतौंन बैरेज और संगड़ाह में 40-40 मिमी बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार 17 से 20 जुलाई तक कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी के तहत येलो अलर्ट जारी किया गया है, जबकि 21 और 22 जुलाई को बारिश के और ज्यादा तीव्र होने की संभावना के चलते ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। तेज बारिश के कारण भूस्खलन, नदियों और नालों में जलस्तर बढ़ने और सड़कों के बाधित होने की आशंका है।

विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 17 जुलाई को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चम्बा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी जिलों में भारी बारिश की चेतावनी के साथ येलो अलर्ट रहेगा। इन जिलों में कुछ स्थानों पर तेज बारिश से जनजीवन प्रभावित हो सकता है। 18 जुलाई को चम्बा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और सिरमौर जिलों में भी भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन क्षेत्रों में स्थानीय प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और जरूरी सावधानी बरतने की सलाह दी है। 19 जुलाई को फिर से चम्बा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी जिलों में भारी बारिश की चेतावनी के साथ येलो अलर्ट रहेगा। वहीं 20 जुलाई को सिरमौर जिले में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान लोगों से अपील की गई है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें और नदी-नालों के किनारे न जाएं। मौसम विभाग का कहना है कि 21 और 22 जुलाई को प्रदेश के कुछ इलाकों में बारिश की तीव्रता और बढ़ने की संभावना है, जिसके लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। ऑरेंज अलर्ट का मतलब है कि इन दिनों में कई क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है जिससे सामान्य जनजीवन पर असर पड़ सकता है और और संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन भी हो सकता है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार शाम तक प्रदेश में एक नेशनल हाईवे समेत कुल 201 सड़कें बंद पड़ी हैं। अकेले मंडी जिले में सबसे ज्यादा 140 सड़कें प्रभावित हुई हैं, वहीं सिरमौर में एक नेशनल हाईवे (एनएच-707) व 27 सड़कें, कुल्लू में 21, कांगड़ा में 10 सड़कें बंद हैं। मंडी जिले में 41 बिजली ट्रांसफार्मर और 119 पेयजल योजनाएं ठप हैं।

राज्य में कुल 47 ट्रांसफार्मर बंद पड़े हैं और 137 पेयजल योजनाओं पर असर पड़ा है। कांगड़ा जिला के नूरपुर उपमंडल में 18 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक पिछले 26 दिनों (20 जून से 16 जुलाई) में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 109 लोगों की जान चली गई, 35 लोग अब भी लापता हैं और 199 लोग घायल हुए हैं।

मौतों के मामले में मंडी जिला सबसे अधिक प्रभावित है, जहां अब तक 20 लोगों की मौत और 27 लापता हैं। कांगड़ा में 19, कुल्लू में 11, हमीरपुर व चम्बा में 9-9 और सोलन, बिलासपुर व ऊना जिलों में 8-8 लोगों की मौत हुई है।

अब तक राज्य में 1084 घर आंशिक या पूरी तरह टूट चुके हैं, 248 दुकानें और 894 गौशालाएं तबाह हो गई हैं। अकेले मंडी जिले में 883 घर, 225 दुकानें और 730 गौशालाएं प्रभावित हुई हैं। 30 जून की रात मंडी में बादल फटने की 12 घटनाओं ने खासतौर पर सिराज क्षेत्र में भारी तबाही मचाई थी। भारी बारिश से अब तक 21,500 पोल्ट्री पक्षी और 1228 अन्य पशु मारे जा चुके हैं। प्रदेश में मानसून के दौरान बादल फटने की 22, बाढ़ की 32 और भूस्खलन की 18 घटनाएं रिकॉर्ड हुई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार मानसून सीजन में अब तक प्रदेश को लगभग 883 करोड़ की संपत्ति का नुकसान हो चुका है। सबसे ज्यादा नुकसान लोक निर्माण विभाग को हुआ है, जिसकी करीब 430 करोड़ की संपत्ति प्रभावित हुई है।

इमरान खान की पूर्व पत्नी रेहम खान की सियासत में एंट्री, 'पाकिस्तान रिपब्लिक पार्टी' से करेंगी नई शुरुआत

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पूर्व पत्नी और जानी-मानी पत्रकार रेहम खान ने राजनीति में उतरने की आधिकारिक घोषणा की है। उन्होंने मंगलवार को 'पाकिस्तान रिपब्लिक पार्टी' नाम से एक नए राजनीतिक दल बनाने का ऐलान किया है। इस कदम ने पाकिस्तान की राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है।

रेहम खान ने स्पष्ट कहा कि वह अब किसी के कहने पर नहीं, बल्कि अपनी मर्ज़ी और शर्तों पर राजनीति में कदम रख रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी किसी राजनीतिक परिवार, वंश या दबाव समूह का हिस्सा नहीं होगी, बल्कि यह पूरी तरह जनता के मुद्दों पर केंद्रित होगी। अपने संबोधन में रेहम खान ने पाकिस्तान में बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी को उठाया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, स्वच्छ जल और शिक्षा जैसी मूलभूत सेवाओं का हाल 2012 से अब तक बदतर हुआ है और यह अब बर्दाश्त से बाहर है। उनकी पार्टी का उद्देश्य आम जनता की वास्तविक समस्याओं को सियासत का केंद्र बनाना होगा। रेहम खान ने कहा कि उनकी पार्टी वंशवाद की राजनीति के सख्त खिलाफ है।

उनका दावा है कि उनकी पार्टी एक जनआधारित स्वतंत्र आंदोलन होगी, जो सच्चे बदलाव के लिए काम करेगी। रेहम खान की राजनीति में एंट्री की घोषणा से पाकिस्तान के राजनीतिक हलकों में कोहराम बच गया है। राजनीतिक विश्लेषक जहां इस फैसले को राजनीतिक बदलाव बता रहे हैं, वहीं विपक्षी इसे एक नवोदित चुनौती के रूप में देख रहे हैं।

जंगल की आग से आसमान काले धूएं से भरा

एरीजोना में जंगल की आग से आसमान काले धूएं से भर गया।

आईआरएस समेत आयकर विभाग के 3 अधिकारी गिरफ्तार, घूस लेते पकड़े गए

नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पटना में बुधवार को आयकर विभाग के सहायक निदेशक सहित तीन अधिकारियों को दो लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अधिकारियों में आयकर विभाग के सहायक निदेशक आदित्य सौरभ (आईआरएस), निरीक्षक मनीष कुमार पंकज और मल्टी-टास्किंग स्टाफ शुभम राज शामिल हैं।

सीबीआई के मुताबिक, इन अधिकारियों ने एक व्यक्ति से पहले से जब्त की गई 13 लाख रुपये की नकदी को छोड़ने और उसके खिलाफ कोई कार्रवाई न करने के एवज में दो लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। यह नकदी शिकायतकर्ता के बहनोई से पटना एयरपोर्ट पर जब्त की गई थी, जिसकी जानकारी आयकर विभाग को दी गई

थी। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने 15 जुलाई को मामला दर्ज कर जाल बिछाया और तीनों को रिश्वत लेते समय पकड़ लिया। एजेंसी ने कार्रवाई के दौरान रिश्वत की पूरी राशि बरामद कर ली है। बताया गया कि यह रिश्वत सहायक निदेशक आदित्य सौरभ के कहने पर और उनकी ओर से ली गई थी। सीबीआई ने पटना में तीनों आरोपितों के अलग-अलग ठिकानों पर तलाशी ली और कई दस्तावेज व सबूत अपने कब्जे में लिए हैं। फिलहाल तीनों को पटना में सीबीआई की विशेष अदालत-1 में पेश किया गया।

नाटो ने भारत-चीन और ब्राजील को धमकाया कहा- पुतिन को मना लें वरना प्रतिबंध लगा देंगे

वॉशिंगटन

ब्रिक्स में शामिल सभी देशों को नाटो ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि रुसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को फोन करके मनाया जाए। उन्हे शांति के लिए प्रेरित किया जाए नहीं तो कड़े प्रतिबंध के लिए तैयार रहना चाहिए। नाटो के महासचिव मार्क रुटे ने अमेरिका की संसद में वहां के सांसदों से मुलाकात के दौरान ये बातें कही हैं।

उन्होंने भारत, ब्राजील और चीन से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शांति वार्ता पर गंभीरता से सोचने के लिए मनाने की अपील भी की है। उन्होंने कहा, मेरा भारत, चीन और ब्राजील के नेताओं से आग्रह है कि वे इस मुद्दे को गंभीरता से लें क्योंकि यह संकट आपके देश पर बहुत भारी पड़ सकता है। रुटे ने चेताया कि अगर रूस यूक्रेन के साथ शांति वार्ता के लिए तैयार नहीं हुआ तो इन देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, कृपया पुतिन को फोन करें और कहें कि अब वक्त आ गया है कि वह शांति वार्ता को गंभीरता से लें। वरना इसका भारी नुकसान ब्राजील, भारत और चीन को उठाना पड़ेगा। बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत, चीन और ब्राजील ने एक तटस्थ नीति अपना रखी है। इन देशों ने यूक्रेन युद्ध में स्पष्ट पक्ष नहीं लिया है और निष्पक्ष रुख अपनाया है। इसके अलावा, इन तीनों देशों के रूस के साथ ऊर्जा और व्यापारिक संबंध जारी हैं। नाटो के इस बयान को रूस पर दबाव बनाने के लिए एक हथियार के तौर पर देखा जा सकता है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को नई सैन्य सहायता देने की घोषणा की थी। इस दौरान ट्रंप ने रूस से व्यापार करने वाले देशों पर 100 प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ लगाने की धमकी दी। उन्होंने यह धमकी 50 दिनों के भीतर शांति समझौता नहीं होने की स्थिति में दी है।ट्रंप ने पिछले हफ्ते रूस पर यूक्रेन में लड़ाई समाप्त करने के लिए समझौता करने में विफल रहने की सूरत में बड़े प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी।

ब्रीफ न्यूज़

गणित एवं सांख्यिकी विभाग की शोध छात्रा, कु. आस्था जैन का सहायक प्राध्यापक के रूप में चयन

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के गणित एवं सांख्यिकी विभाग की शोध छात्रा, कु. आस्था जैन का चयन मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इन्दौर द्वारा लिखित एवं साक्षात्कार उपरान्त सांख्यिकी विषय के सहायक प्राध्यापक के रूप में हुआ है। कु. आस्था जैन ने सांख्यिकी विषय के समस्त उम्मीदवारों के बीच सर्वोच्च अंक प्राप्त कर अन्तिम चयनित सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वर्तमान में कु. आस्था जैन विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विषय के वरिष्ठ प्रोफेसर, डॉ. दिवाकर शुक्ला के निर्देशन में शोध कार्य कर रही हैं। कु. आस्था जैन की इस विशिष्ट उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं विभाग के शिक्षकों सहित स्नेहीजनों ने बधाई दी।

पर्यावरण का संदेश देते निकली महिलाओं की कावड़ यात्रा

इन्दौर। श्रावण मास के पुण्य अवसर पर आम्रकुंज कॉलोनी एयरपोर्ट रोड से शिव पार्वती महिला मंडल द्वारा कावड़ यात्रा निकाली गई जिसमें पर्यावरण बचाने का संदेश दिया गया। कांवड़ यात्रा प्रभारी ममता पारीक व रोशनी दीदी ने बताया कि पिपलेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ हुई यह महिला कांवड़ यात्रा माताजी मंदिर, महादेव मंदिर, सुखदेव नगर, काशी विश्वनाथ मंदिर होते हुए वापस पिपलेश्वर महादेव मंदिर पहुंची जहां महादेव का जलाभिषेक किया।

रेखा गौतम टेटवाल ने पशुपतिनाथ मंदिर में स्वचलित आरती यंत्र किया भेंट

सारंगपुर। श्रावण माह के भगवान भोलेनाथ के पवित्र दिनों में स्थानीय पुराना दशहरा मैदान स्थित पशुपति नाथ मंदिर में आज प्रदेश सरकार के तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं क्षेत्रीय विधायक डॉ गौतम जी टेटवाल की धर्मपत्नी श्रीमती रेखा गौतम जी टेटवाल द्वारा स्वचालित आरती यंत्र भेंट किया गया जिसके पश्चात अनेक श्रद्धालुओं द्वारा बाबा भोलेनाथ की यंत्र की ध्वनि सहित महाआरती की गई। इस अवसर पर माननीय मंत्री जी के समस्त परिवार सहित , नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती भावना नीलेश वर्मा , पशुपतिनाथ भजन मंडली की अध्यक्ष श्रीमती काजल व्यास , पर्यावरण प्रेमी दल के सभी कार्यकर्ता एवम नगर के सभी गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विद्यार्थी नशे से बचें और दूसरों को भी बताएं इसके दुष्परिणाम

दीनबन्धु/खरगोन/हरीश कुमरावत। विद्यार्थी जीवन कच्चे घड़े मटके समान है किसी भी तरह के नशे से स्वयं बचे और दूसरों को भी इसके दुष्परिणाम बताएं ये विचार 16 जुलाई को सीएम राईज शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल बमनाला में नशा निवारण जन जागरूकता अभियान के तहत पुलिस सब-इंस्पेक्टर अमित पंवार ने व्यक्त किए। जिले में 15 जुलाई से 30 जुलाई तक चलने वाले विभिन्न प्रकार के नशे, बीडी, सिगरेट, पाऊच, गुटखा, तंबाकू, गांजा भांग, शराब आदि की रोकथाम के लिए पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीना के निदेर्शानुसार जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान आनंद विभाग के जिला समन्वयक केबी मंसारे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन को आनंदमय बनाना है, तनाव अवसाद से बचाने के लिए किसी भी तरह का नशा सेवन नहीं करें। केंसर जैसी घातक बिमारी जो असमय मौत का कारण है। जिसके घर परिवार सब दुखी होते हैं। छात्र छात्रा अपने जीवन का लक्ष्य तय कर तनावमुक्त पढ़ाई करें। इस दौरान वरिष्ठ व्याख्याता मदनलाल ने संचालन किया। इस अवसर पर आरक्षक दिलिप मासरे, पवन जमरे, निशा कुशवाहा, विजय सिंह गेहलोत, रमेश चक्रवर्ती का सहयोग रहा। नशा मुक्ति जन जागरूकता अभियान में 400 छात्र छात्राओं को शपथ दिलाई गई।

बैंक ऑफ बड़ौदा के बाहर जाम से जूझता देवरी नगर

बैंक परिसर में पार्किंग न होने से यातायात व्यवस्था चरमराई, समस्या बनी मुसीबत

दीनबन्धु, देवरीकलां।
dinbandhunews.com

नगर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है, लेकिन जिम्मेदारों को कोई फर्क नहीं पड़ता। बैंक ऑफ बड़ौदा के बाहर हर दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। वजह साफ है बैंक के पास खुद की कोई पार्किंग नहीं, और जो सबसे बड़ी बात है वो ये कि बैंक में तैनात सुरक्षा गार्ड भी वाहनों को व्यवस्थित खड़ा नहीं करवाते। ग्राहक आते हैं, वाहन सीधे सड़क पर खड़े कर देते हैं और नतीजा यह होता है कि मुख्य मार्ग बाधित रहता है। सबसे ज्यादा दिक्कत स्कूल टाइम में स्कूली बच्चों, महिलाओं और एंबुलेंस को होती है। यह मुद्दा शांति समिति की कई बैठकों में उठ चुका है, लेकिन न बैंक प्रबंधन ने पार्किंग की ओर ध्यान दिया और न प्रशासन ने कोई सख्त कार्रवाई की। बैंक प्रबंधन की लापरवाही और नगर प्रशासन की चुप्पी से नगरवासियों की परेशानी बढ़ती जा रही है।

यह हैं मुख्य दिक्कतें

- बैंक ऑफ बड़ौदा के पास पार्किंग की व्यवस्था नहीं।
- सुरक्षा गार्ड गाड़ियों को व्यवस्थित नहीं लगवाते, न कोई निर्देश बोर्ड।
- सड़क पर दोनों ओर वाहनों की लाइन लग जाती है, जिससे जाम लगता है।
- स्कूल समय और बाजार की भीड़ के समय स्थिति और बिगड़ जाती है।
- कई बार शिकायतों के बावजूद कोई एक्शन नहीं।

स्थानीय निवासी बोले: बैंक के पास इतनी जगह नहीं कि लोग आराम से वाहन खड़ा कर सकें, लेकिन गार्ड की जिम्मेदारी बनती है कि वो सड़क पर अव्यवस्था न होने दें। यहां तो गार्ड भी तमाशबीन बनकर खड़े रहते हैं। नगरवासियों की मांग है कि प्रशासन तत्काल बैंक प्रबंधन को निर्देशित करे कि या तो वैकल्पिक पार्किंग की व्यवस्था करे या ग्राहकों को निर्धारित स्थल पर ही वाहन खड़ा करने का निर्देश दे। साथ ही नगर पालिका परिषद को भी ट्रैफिक कंट्रोल के लिए आवश्यक इंतजाम करना चाहिए।

देवरी जनपद की पंचायत मसूरवावरी में विकास का पहिया रुका हुआ है

दीनबन्धु, देवरीकलां।
dinbandhunews.com

मसूरवावरी पंचायत के ग्राम मछरिया में सड़कें कीचड़ से सनी हुई हैं। बच्चों और बुजुर्गों को कीचड़ में से निकलने को मजबूर होना पड़ रहा है। पंचायत में साफ-सफाई की व्यवस्था नहीं है, जिससे गंदगी के ढेर लगे हुए हैं और मौसमी बीमारियां और मच्छरों के काटने से लोग बीमार हो रहे हैं। शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा पंचायत वासियों को शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनकी स्थिति और भी खराब हो रही है। ग्राम मछरिया में स्कूल देवरी केसली मार्ग पर बना हुआ है, लेकिन स्कूल में बाउंड्री नहीं होने से दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।

ग्रामीणों की मांग: ग्रामीणों ने मांग की है कि पंचायत में विकास कार्यों को गति देने के लिए उचित कदम उठाए जाएं। सड़कों की मरम्मत, साफ-सफाई की व्यवस्था और स्कूल में बाउंड्री का निर्माण किया जाए, ताकि ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं मिल सकें।

पंचायत की स्थिति: मसूरवावरी पंचायत की स्थिति जस की तस बनी हुई है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत के विकास के लिए उचित कदम नहीं उठाए जा रहे हैं, जिससे उनकी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

मंडीदीप। भोजपुर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक श्री सुरेंद्र पटवा के मार्ग दर्शन में मंडीदीप वॉर्ड क्रमांक 13 हो रही समस्या के निराकरण हेतु आज पूरे अमले के साथ सीवरेज लाइन के स्थल निरीक्षण कर जल्द से जल्द रोड निर्माण कार्य हेतु अधिकारी को निर्देषित किया जल्द ही रोड निर्माण कार्य से वहां के निवासियों रहत मिलेगी इस अवसर पर सीएमओ श्री प्रशांत जैन जी, पार्षद श्री जगदीश शर्मा जी, नगर पालिका के इंजीनियर व साथ ही वॉर्ड के नागरिक उपस्थित रहे।

श्री समर्थ सद्गुरु दादा गुरु के सानिंध्य में कल होगा खुरई में वृहद वृक्षारोपण

दीनबन्धु, सागर।
dinbandhunews.com

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत खुरई विधानसभा क्षेत्र में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम माँ नर्मदा के कृपापात्र पूज्य श्री समर्थ सद्गुरु दादा गुरु के परम सानिंध्य में आयोजित होगा। 18 जुलाई को 11 बजे एक पेड़ माँ के नाम के अंतर्गत खुरई के वायपास रोड स्थित मॉडल स्कूल खुरई में आयोजित कार्यक्रम में श्री दादा गुरु जी स्वयं शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि श्री समर्थ सद्गुरु दादा गुरु के नाम से प्रसिद्ध संत हैं जो नर्मदा नदी के संरक्षण और संवर्धन के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने पिछले कई वर्षों से अन्न का एक दाना भी ग्रहण नहीं

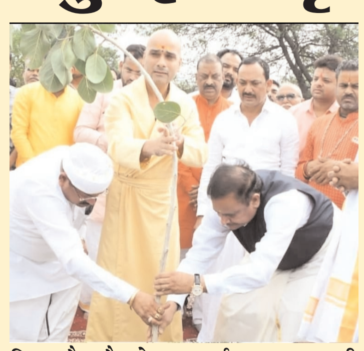

किया है और केवल नर्मदा जल पर ही आश्रित हैं। उनकी साधना और जीवनशैली ने वैज्ञानिक समुदाय को भी हैरान कर दिया है। वे नर्मदा मिशन के संस्थापक और प्रकृति उपासक हैं। उन्होंने पिछले कई वर्षों से से अन्न का एक दाना भी ग्रहण नहीं किया है और केवल नर्मदा जल पर आश्रित हैं। उनका जीवन, प्रकृति और मां नर्मदा के प्रति समर्पण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। कार्यक्रम के आयोजक पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह ने खुरई के वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत एक दिन में 50 हजार वृक्ष लगाए जाने के आयोजन को परम पूज्य संत श्री समर्थ सदगुरु दादा गुरु का सान्निध्य मिलने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रकृति के परम उपासक, नर्मदा पुत्र की खुरई के माडल स्कूल में आयोजित वृक्षारोपण में उपस्थिति संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र के लिए परम सौभाग्य का विषय है।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत जागरूकता रैली निकली

दीनबन्धु, खरगोन
dinbandhunews.com

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत बुधवार को स्टेडियम मैदान पर पुलिस विभाग और खेल विभाग के सहयोग से नशा मुक्त जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में क्षेत्रीय विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार और जिला पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा, नगर पालिका उपाध्यक्ष भोलू कर्मा, पार्षद भागीरथ बडोले, पार्षद धीरेन्द्र सिंह चौहान जिला खेल अधिकारी पवि दुबे ने भाग लेकर आमजन को नशे के विरुद्ध एकजुट होने का संदेश दिया। रैली का शुभारंभ स्टेडियम मैदान परिसर से हुआ एवं मुख्य मार्ग से होते हुए पीजी कालेज परिसर में समाप्त हुई। रैली में विद्यार्थियों और खिलाडियों की भागीदारी रही। हाथों में जागरूकता संदेश वाली तख्तियाँ लेकर विद्यार्थियों ने नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो नशे से दूरी है जरूरी युवाओं का नाश है नशा नशा छोडो.खेलों से जुडों जैसे नारे लगाए। इस मौके पर विधायक ने श्री पाटीदार ने कहा, नशा समाज के लिए एक गंभीर चुनौती है। युवा पीढ़ी को इससे बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है और यह अभियान को और अधिक प्रचार प्रसार कर शहर को नशा मुक्त करें। पुलिस अधीक्षक श्री मीणा ने नशे के खिलाफ चल रही कार्रवाई की जानकारी देते हुए कहा कि नशा तस्करी और सेवन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। समाज का सहयोग इस अभियान को सफल बना सकता है। इस अवसर पर ब्लॉक समन्वयक जितेन्द्र हिरवे, भानुप्रताप दंसौधी, उच्छमसिह रावत, ज्योति बाला रावत, राकेश अंथनकर, प्रवीण किरावर, आशीष गुप्ता, स्वाति शार्मा पुलिस एवं यातायात के कर्मचारी उपस्थित थे।

सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने संभागीय आयुक्त से भेंट कर क्षेत्रीय विकास पर चर्चा की

सागर। सागर संभाग के नवागत संभागीय आयुक्त श्री अनिल सुचारी से सागर सांसद डॉ. लता गुड्डू वानखेड़े ने उनके कार्यालय पहुंचकर शिष्टाचार भेंट की और उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर नई जिम्मेदारियों की शुभकामनाएं दी तथा क्षेत्रीय विकास के संबंध में चर्चा करते हुए सांसद डॉ. वानखेड़े ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से कोई पात्र व्यक्ति वंचित न रहे इसका उन्होंने आग्रह किया। संभागीय आयुक्त श्री सुचारी ने सांसद जी को योजनाओं की बेहतर मॉनिटिरिंग व क्रियान्वयन का भरोसा दिलाया। इस भेट के दौरान वैदिक वानखेड़े भी उपस्थित रहे।

अवैध कॉलोनियों में नए भू-खण्डों का नामांतरण न किया जाए

राजस्व न्यायलयों में दर्ज प्रकरणों के निराकरण में गति लाए: कलेक्टर

राजगढ़। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने बुधवार को जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक में कहा कि अवैध कॉलोनियों में नए भू-खण्डों का नामांतरण नहीं किया जाए। पुराने भू-खण्डों का पुनः विक्रय किया जा सकता है। उन्होंने नगरीय निकायों को हिदायत दी की अवैध कॉलोनियों में सड़क निर्माण के कार्य न किए जाएं। बैठक में अपर कलेक्टर श्री शिवप्रसाद मंडराह सहित राजस्व अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर ने आरसीएमएस में दर्ज राजस्व न्यायलयों में प्रचलित प्रकरणों के निरकारण में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लम्बित प्रकरणों में शीघ्रता से निर्णय हो। अपील के मामले में अनावश्यक लंबित न रहे। दो से पांच साल पुराने राजस्व प्रकरणों का गंभीरता से निराकरण किया जाए। कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों से कहा कि एक हफ्ते में राजस्व प्रकरणों की अच्छी प्रगति दृष्टिगोचर होनी चाहिए। उन्होंने नामांतरण के लंबित प्रकरणों पर भी असंतोष व्यक्त किया और कहा कि नामांतरण के मामले लंबित नहीं रहना चाहिए। साइबर तहसील में दर्ज प्रकरण भी गंभीरता से निराकरण करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जाति प्रमाण-पत्र बनवाने में किसी को असुविधा न हो। हिट एंड रन के मामलों में शीघ्रता से प्रभावितों को राहत देने का कार्य किया जाए। कलेक्टर ने फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में भी बेहतर प्रदर्शन के भी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए।

सड़क निर्माण का नपाध्यक्ष पालीवाल ने किया औचक निरीक्षण, दिए निर्देश

2 साल से रुके अमृत टू, मुख्यमंत्री अधोसंरचना के कार्य पकड़ेंगे विकास की रफ्तार

दीनबन्धु, सारंगपुर।
dinbandhunews.com

शहर की नगरपालिका परिषद के कायाकल्प, अमृत टू, मुख्यमंत्री अधोसंरचना जैसे निर्माण कार्यों ने एक बार फिर रफ्तार पकड़कर नगर के वार्डों की दशा बदलने का काम किया शुरू कर दिया है। कायाकल्प अभियान के दूसरे चरण में भी सडकों के निर्माण एवं पुर्ननिर्माण का काम प्रारंभ हो चुका है। शहर के वार्ड क्रमांक 18 के जयनगर की सडक भी अब सीसी रोड में तब्दील हो रही है। जिसे लेकर नपा अध्यक्ष पंकज पालीवाल ने सभापति राकेश पुष्पद, गोपाल पाल, बाबू अहिरवार, अमित गिरजे, स्वच्छता शाखा प्रभारी सतीश कंडारे के साथ निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। वही कई स्थानों पर जलभराव की समस्या पर नपाध्यक्ष ने जल्द ही मुरमीकरण कार्य प्रारंभ करने की बात वार्डवासियों से कही है। मौके पर पहुंचे नगर पालिका जनप्रतिनिधि ने ठेकेदार को गुणवत्तापूर्वक कार्य करने की सख्त हिदायत के साथ गुणवत्ता पूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए है।

समय सीमा में पूरा करें निर्माण कार्य: शहर की सडक निर्माण के निरीक्षण में पहुंचे नपाध्यक्ष ने ठेकेदार को निर्देशित किया कि कार्य करते हुए गुणवत्ता और समय सीमा का विशेष ध्यान दिया जाए। बताया गया कि जयनगर का यह मार्ग काफी जीर्णशीर्ण हो गया था। नपाध्यक्ष ने कहा कि हम नगर के समग्र विकास के लिए सतत प्रयासरत है। वार्डो में विकास कार्य को लेकर कोई भेदभाव नहीं किया जाता है, जिन वार्डो में कार्य की जैसी जरूरत होती है, वैसे ही कार्य किए जा रहे है। इस दौरान पूर्व मंडल महामंत्री रमेश लववंशी, इंजीनियर अरुण गौड़, राकेश सिसोदिया, गोकुल पुष्पद गौरव शर्मा, पूर्व सरपंच लक्ष्मीनारायण लववंशी सहित वार्डवासी मौजूद थे।

शुरू किए जाएंगे 2 साल से रुके कार्य: जानकारी मिली है कि शहर के विभिन्न वार्डो के निर्माण कार्य 2 साल पहले स्वीकृति टेंडर होने के बाद भी ठेकेदारों द्वारा निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जा रहा था। जिसपर नपाध्यक्ष ने ठेकेदारों को नोटिस जारी करने की कार्रवाई के साथ ब्लैक लिस्टेट करने की चेतावनी भी दी थी। मामला सीएमओ ज्योति सुनहरे के संज्ञान में आने के बाद ठेकेदार की बैठक लेकर निर्माण कार्य शुरू कराए गए। जिसमें कायाकल्प, अमृत टू, मुख्यमंत्री अधोसंरचना जैसे कार्य वार्ड 8 बजरंग कालोनी, वार्ड 9 में सामुदायिक भवन निर्माण, वार्ड 10, वार्ड 15 में धर्मशाला बावंड्री बाल, वार्ड 16 में धनगर समाज मोहल्ले की सड़क निर्माण, वार्ड 17 में आरसीसी सड़क निर्माण, वार्ड 18 में नाला निर्माण सहित वार्ड 2, 12, 13 के निर्माण कार्य शामिल है।

मुख्यचिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा का स्वागत एवं अभिनन्दन किया

भोपाल। बहुउददेश्यी स्वास्थ्य कर्मचारी कल्याण संघ एवं फिमेल हैल्थ एम्प्लाय वॅलफियर एसोसियेशन ने मिलकर आज नवनियुक्त मुख्यचिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा मनीष शर्मा का स्वागत एवं अभिनन्दन किया, इस मौके पर कल्याण संघ के अध्यक्ष कल्याण सिंह ठाकुर एवं एसोसिशन की अध्यक्ष बेबी राजा एवं उपाध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, एहसान भाई ,शैलेन्द्र शर्मा ,ब्रजेश गोस्वामी एवं जया श्रीवास्तव प्रिति सैनी उपस्थित थे।

योजना के लिए ई-टेंडर जारी, 24 जुलाई को होगी प्री-बिड मीटिंग

1.82 लाख विद्युतकर्मियों और पेंशनरों का होगा कैशलेस इलाज

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

मध्य प्रदेश की सभी छह विद्युत कंपनियों के एक लाख 82 हजार नियमित, संविदा कार्मिकों के साथ पेंशनरों और उनके स्वजन के लिए ऊर्जा विभाग ने अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना लागू कर दी है। क्रियान्वयन एजेंसी तय करने के लिए ई-टेंडर जारी किए गए हैं। 24 जुलाई को प्री-बिड मीटिंग होगी।

प्रदेश सरकार ने विद्युतकर्मियों और उनके स्वजन के उपचार के लिए अंशदायी कैशलेश स्वास्थ्य बीमा योजना तैयार की है। पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने बताया कि योजना के क्रियान्वयन के लिए ई-टेंडर जारी कर दिए गए हैं। इसमें भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा लाइसेंस प्राप्त किसी मौजूदा तृतीय पक्ष प्रशासक या उसकी होल्डिंग, सहायक या उसकी समूह कंपनी, जिन्हें इस क्षेत्र में काम करने का अनुभव हो, भाग ले सकती हैं। 24 जुलाई को प्री-बिड मीटिंग की जाएगी। कंपनियां 18 अगस्त तक निविदा जमा कर सकेंगी। इन्हें 20 अगस्त को खोला जाएगा। योजना एक अक्टूबर 2025 तक प्रारंभ करने का लक्ष्य है।

पांच से 25 लाख तक की सुविधा

यह बीमा योजना अंशदायी और वैकल्पिक है। योजना में शामिल होने के लिए नामांकन करना होगा। इसमें तीन विकल्प दिए जाएंगे। पहले विकल्प में प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक का बीमा कराया जा सकेगा। इसके लिए प्रतिमाह पांच रुपये देने होंगे। 10 लाख रुपये तक का बीमा कराने के लिए एक हजार रुपये और 25 लाख रुपये तक का बीमा करने पर दो हजार रुपये प्रतिमाह अंशदान देना

यह परियोजना मालवांचल के लिए एक नया युग शुरू करने वाली है

इंदौर-खंडवा रेल परियोजना को मिली हरी झंडी, अब दक्षिण भारत से सीधी कनेक्टिविटी

दीनबन्धु ■ इंदौर www.dinbandhunews.com

यह रेल लाइन उत्तर और दक्षिण भारत को जोड़ने वाला सबसे छोटा मार्ग होगी, जो इंदौर के व्यापार और यात्रियों को समय व दूरी की बचत देगी। यह मार्ग मालवांचल और दक्षिण भारत के बीच बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। इंदौर-खंडवा रेल परियोजना को लेकर एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। इस महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए वन विभाग ने अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दिया है, जिससे परियोजना की सबसे बड़ी बाधा दूर हो गई है। अब इस रेल मार्ग के निर्माण को तेजी से आगे बढ़ाया जा सकेगा। यह रेल लाइन उत्तर भारत को दक्षिण भारत से जोड़ने वाला सबसे छोटा और सीधा मार्ग होगी, जो न केवल इंदौर के व्यापारिक और औद्योगिक विकास को नई गति देगी, बल्कि यात्रियों के लिए समय और दूरी की बचत भी करेगी। यह परियोजना मालवांचल के लिए एक नया युग शुरू करने वाली है, जो क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को गति देगी।

सांसद शंकर लालवानी के प्रयास लाए रंग

इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने इस परियोजना में आ रही अड़चनों को दूर करने के लिए लगातार प्रयास किए। उन्होंने रेलवे अधिकारियों और वन विभाग के बीच संयुक्त बैठक करवाई, जिससे तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं सरल हुईं। हाल ही में सांसद लालवानी ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर इस परियोजना की प्राथमिकता पर जोर दिया और वन विभाग

से अनुमति दिलवाने का अनुरोध किया। उनके इन प्रयासों के परिणामस्वरूप परियोजना को गति मिली है।

दक्षिण भारत से सीधी कनेक्टिविटी का सपना होगा साकार

इंदौर-खंडवा रेल लाइन के पूरा होने के बाद इंदौर का सीधा संपर्क खंडवा, भुसावल, नासिक और मुंबई के साथ-साथ तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल जैसे दक्षिण भारतीय राज्यों से हो जाएगा। यह रेल कॉरिडोर मालवांचल के व्यापारियों, किसानों और यात्रियों के लिए तेज, किफायती और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प प्रदान करेगा। सांसद लालवानी ने बताया कि यह रेल मार्ग मालवांचल और दक्षिण भारत के बीच बेहतर कनेक्टिविटी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

80 किमी होगी इंदौर-खंडवा की नई दूरी

पहले मीटरगेज लाइन पर इंदौर से खंडवा की दूरी 48 किमी थी, लेकिन ब्रॉडगेज ट्रैक के निर्माण के लिए पातालपानी के पहले घूमकर ट्रेन बलवाड़ा पहुंचेगी, जिससे दूरी बढ़कर 80 किमी हो जाएगी। हालांकि, इस नए ट्रैक से इंदौर को बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई जैसे दक्षिण भारतीय शहरों और जयपुर, अजमेर जैसे उत्तर भारतीय शहरों तक सीधी पहुंच मिलेगी। अभी इन शहरों तक पहुंचने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ता है। यह नया रेल मार्ग उत्तर और दक्षिण भारत को जोड़ने वाला सबसे छोटा रूट होगा, जिससे यात्रियों का समय बचेगा और रेलवे का मुनाफा भी बढ़ेगा।

एक दशक से बंद थी रेल कनेक्टिविटी

पिछले एक दशक से इंदौर और खंडवा के बीच रेल कनेक्टिविटी बंद थी। पहले यहां मीटरगेज लाइन थी, जो महू से पातालपानी, कालाकुंड, बलवाड़ा और चौरल होते हुए खंडवा तक जाती थी। अब ब्रॉडगेज लाइन के लिए महू से पातालपानी के पहले घूमकर बलवाड़ा तक ट्रैक बनाया जा रहा है। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण 32 किमी का घुमाव है, जिसमें 454 हेक्टेयर वन विभाग की जमीन शामिल है। रेलवे लंबे समय से इस जमीन पर ट्रैक बिछाने की अनुमति मांग रहा था, जो अब मिल गई है।

सीएससी स्थापना के 16 वर्ष पूर्ण होने पर सीएससी दिवस का हुआ आयोजन

सीएससी का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को लोगो तक नि:शुल्क उपलब्ध कराना

दीनबन्धु ■ सीहोर www.dinbandhunews.com

केंद्र सरकार के आईटी मंत्रालय द्वारा संचालित सीएससी विगत 16 वर्षो से ग्रामीण भारत में सभी शासकीय योजनाएं निशुल्क रूप से संचालित है। सीएससी की स्थापना के 16 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य बुधवार को सीएससी दिवस के रूप में पूरे भारत वर्ष में मनाया गया। इसी तारतम्य में सीएससी एकेडमी बिलकिसगंज को भी सीएससी दिवस पर सम्मानित किया गया। सीएससी एकेडमी द्वारा केंद्र सरकार की विभिन्न एजुकेशनल एवं ट्रेनिंग सर्विसेज में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने पर अकादमी को जिला ई गवर्नेंस प्रबंधन द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। सीएससी दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीएससी जिला प्रबंधक सुनील बामनिया, प्रतीक शर्मा, वीएलई अशोक मालवीय, वरिष्ठ समाजसेवी एमएस मेवाड़ा, जनप्रतिनिधि नर्मदा प्रसाद परमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रतीक शर्मा ने बताया कि सीएससी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण भारत में केंद्र एवं राज्य सरकार की समस्त जन कल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक नि:शुल्क उपलब्ध कराना है। सीएससी केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण अंचल में रहने वाला प्रत्येक नागरिक आज शासन की समस्त जनकल्याणकारी योजनाओ का लाभ ले पा रहा है सीएससी जिला प्रबंधक सुनील बामनिया ने बताया कि सीएससी अकादमी द्वारा रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण एवं एजुकेशन कोर्सेज निशुल्क रूप से विगत 16 वर्षों से सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं । सीहोर जिले में विगत वर्षों में सीएससी अकादमी द्वारा केंद्र सरकार की योजना के अंतर्गत कई कोर्सेस निशुल्क रूप से क्षेत्र के गरीब वर्ग के विद्यार्थियों हेतु संचालित है। इसी उपलब्धि पर जिला ई गवर्नेंस प्रबंधन द्वारा सीएससी अकादमी बिलकिसगंज, बालाजी कंप्यूटर सेंटर आष्टा एवं उत्कृष्ट विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सीएससी अकादमी के संचालक प्रदीप मेवाड़ा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं विद्यार्थियों को सीएससी अकादमी पर उपलब्ध समस्त कोर्सेस की जानकारी देते हुए बताया कि आने वाले समय में भी सीएससी अकादमी द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार के अनेक कोर्सेस निशुल्क रूप से विद्यार्थियों हेतु संचालित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में एकेडमी के विद्यार्थियों सहित समाजसेवी प्रीतम मेवाड़ा, लक्की हाड़ा, ऋतिक मेवाड़ा, अनिकेश वर्मा, जन प्रतिनिधि घनश्याम मीना, महेश वर्मा, नमर्दा प्रसाद परमार, दीपक शर्मा, ओम प्रकाश, शुभम वर्मा, विपिन वर्मा एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल का भ्रमण कार्यक्रम

अनूपपुर। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल 16 जुलाई को रात्रि 10-14 बजे रानी कमलापति रेलवे स्टेशन भोपाल से अनूपपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। 17 जुलाई को प्रात- 10-31 बजे अनूपपुर रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे एवं बिजुरी के लिए प्रस्थान करेंगे। प्रात- 11-20 बजे बिजुरी पहुंचेंगे एवं स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे। शेष कार्यक्रम पृथक से जारी किया जाएगा।

एसीपी हबीबगंज उमेश तिवारी ने संभाला पदभार

भोपाल। हबीबगंज एसीपी उमेश तिवारी ने मंगलवार को अपना पदभार संभाल लिया है। इसके पहले वह विदिशा जिले में पदस्थ थे। हाल ही में उनका तबादला भोपाल के हबीबगंज एसीपी के रूप किया गया था। श्री तिवारी इसके पहले भी राजधानी के कई थानों में थाना प्रभारी तथा सीएसपी भी रह चुके हैं।

एम्स भोपाल में सफल नेत्र और त्वचा दान से मिली नई आशा

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में संस्थान जनसेवा और नवाचार के क्षेत्र में लगातार अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में 15 जुलाई 2025 को हॉस्पिटल कॉर्नियल रिट्रीवल प्रोग्राम के तहत एम्स भोपाल में एक सफल नेत्र एवं त्वचा दान संपन्न हुआ। मध्य प्रदेश निवासी 54 वर्षीय उमा विश्वरूप ने अपनी मृत्यु के बाद अपनी दोनों आंखें और त्वचा दान कीं, जिससे नेत्रहीनों को दृष्टि और झुलसे मरीजों को राहत मिल सके। उनके पति और भतीजे ने यह नेत्रदान खुशी-खुशी करवाया, यह कहते हुए कि वे चाहते हैं कि उनकी पत्नी और बुआ जी किसी की आंखों में जीवित रहें। नेत्र रोग विभाग इस महान कार्य हेतु समर्पित है। विभाग की प्रमुख का कहना है कि दो दृष्टिहीन व्यक्तियों को दृष्टि प्रदान करना किसी भी दिवंगत व्यक्ति द्वारा छोड़ी गई सबसे महान विरासतों में से एक है। उन्होंने इस कार्य में जुटी अपनी नेत्र बैंक टीम पर गर्व व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, नेत्र एवं त्वचा दान न केवल नेत्रहीनों और गंभीर रूप से झुलसे मरीजों के लिए आशा की किरण है, बल्कि यह दर्शाता है कि मृत्यु के बाद भी कोई व्यक्ति दूसरों के जीवन में रोशनी भर सकता है। एम्स भोपाल ऐसे मानवीय प्रयासों का सशक्त स्तंभ बना हुआ है, और हम दानदाता परिवार की उदारता एवं साहस को नमन करते हैं।÷ एम्स भोपाल, उमा विश्वरूप के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना और आभार व्यक्त करता है। उनका यह निर्णय न केवल कई लोगों की जिंदगी में रोशनी लाएगा, बल्कि समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता और प्रेरणा भी फैलाएगा।

अब कुल लागत का 2.5 प्रतिशत देना होगा जुर्माना

बिना पर्यावरण अनुमति बना है 184 करोड़ का वन भवन

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

7 अगस्त 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लिंक रोड नंबर-दो पर 2 लाख वर्ग फीट में बने 184 करोड़ रूपए के जिस वन भवन का लोकार्पण किया था, वह बिना पर्यावरण अनुमति के बना है। अब वन विभाग को बिना पर्यावरणा अनुमति निर्माण करने पर प्रोजेक्ट की 184 करोड़ रुपये की लागत का ढाई प्रतिशत जुर्माना भरना होगा।

गौरतलब है कि वन भवन का निर्माण शुरू से ही विवादों में रहा है। वन भवन पर्यावरण अनुमति के बिना ही बना लिया गया। इसका न तो पर्यावरण के अनुकूल निर्माण कराया गया और न ही स्वीकृति ली गई। बता दें कि इसका निर्माण मप्र पर्यटन विकास निगम ने किया था। बता दें कि वर्ष 2008 में वन भवन की आधारशिला रखी गई थी, इसके साथ ही जमीन के आधिपत्य को लेकर विवाद खड़ा हो गया था, चार साल इसे सुलझाने में लग गए। तमाम विवादों के बीच वर्ष 2023 में बनकर यह तैयार हुआ था। चार मंजिल के इस भवन में पांच ब्लाक और अधिकारियों के लिए 80 कक्ष हैं। अगर बजट की कमी न होती, तो यह प्रदेश की पहली ग्रीन बिल्डिंग होती। इसी परिकल्पना के साथ वर्ष 2013 में भवन का निर्माण प्रारंभ किया था, लेकिन समय बीतने के साथ भवन की लागत बढ़ गई।

86 करोड़ का प्रोजेक्ट 184 करोड़ में पूरा

गौरतलब है कि 15 साल तक चले निर्माण कार्य में वन भवन की शुरुआती निर्माण लागत 86 करोड़ रुपये थी, लेकिन समय के साथ निर्माण में देरी के कारण लागत बढ?र 184 करोड़ रुपये हो गई। लिंक रोड-2 पर ग्रीन बिल्डिंग कंसेप्ट पर वन भवन बनाया जाना था। 14 एकड़ जमीन पर निर्मित यह परिसर ग्रीन बिल्डिंग के आकार भी नहीं ले सका। वन विभाग ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में पर्यावरण स्वीकृति की अनुमति के लिए आवेदन किया था, लेकिन इसमें कुछ कमियों के चलते बोर्ड के सदस्य सेवानिवृत्त आईएफएस पीसी दुबे ने विभाग को पत्र लिखकर उन कमियों को पूरा कर पुन- आवेदन के लिए लिखा था। इस प्रकरण में एक पेशी हो चुकी है, लेकिन मामला अब तक नहीं सुलझा है। वर्तमान में राज्य विशेषज्ञ मूल्यांकन संमिति (एसईएसी) के अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव है। अब इस प्रकरेंण को यही सुलझाएंगे। नए वन भवन में कक्षों के आवंटन को लेकर भी अधिकारी नाखुश हैं। भर्वन की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। 14 एकड़ में फैले तीन मंजिला वन भवन होने के बावजूद वन विभाग से जुड़े कई कार्यालय बाहर किराए के भवनों में लग रहे हैं। कार्य आयोजना (वर्किंग प्लान) कार्यालय सहित अन्य कार्यालय है। हालांकि इन्हें वन भवन में शिफ्ट करने पर विचार किया जा रहा है।

अयोध्या नगर में 17 एकड़ में बनेगा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स:प्रोजेक्ट को मंजूरी

भोपाल में हाउसिंग बोर्ड सबसे बड़ा कॉम्पलेक्स बनाएगा

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड भोपाल के अयोध्या नगर में राजधानी का सबसे बड़ा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (खेल मैदान) बनाएगा। 17 एकड़ में बनने वाले इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लिए मंडल की बोर्ड बैठक में मंजूरी मिल गई है। 17 एकड़ की इस जमीन पर पहले मोरम और गिट्टी की खदान थी। इस वजह से यहां एक बहुत बड़ा गड्ढा है और बाकी हिस्से पर बच्चे खेलते हैं।

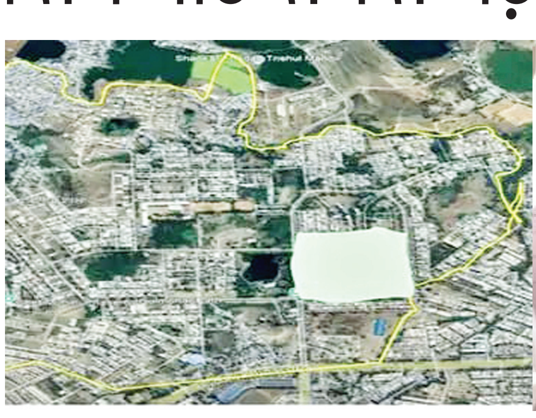

इस पूरी जमीन को हाउसिंग बोर्ड स्पोर्ट्स सेंटर की तरह विकसित करेगा। बोर्ड बैठक की अध्यक्षता कर रहे नगरीय विकास एवं आवास मंत्री एवं बोर्ड के चेयरमैन कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि शहरों के विकास में खेल की गतिविधियों के लिए जगह शीर्ष प्राथमिकता में होनी चाहिए।

बोर्ड कमिश्नर डॉ. राहुल हरिदास फटिंग एवं बोर्ड की मुख्य प्रशासनिक अधिकारी तृप्ति श्रीवास्तव ने चेयरमैन व बोर्ड सदस्यों को वार्षिक बजट सहित सभी मुद्दों से अवगत कराया।

जल्द आर्किटेक्ट नियुक्त करेंगे

हाउसिंग बोर्ड के कमिश्नर डॉ. फटिंग ने बताया, इस प्रोजेक्ट के लिए हम जल्द ही आर्किटेक्ट की नियुक्ति के लिए टेंडर जारी करेंगे। यहां क्रिकेट मैदान, स्वीमिंग पुल, बैडमिंटन कोर्ट सहित सभी प्रमुख स्पोर्ट के लिए सुविधाएं विकसित करने की योजना पर काम किया जा रहा है।

हुकुमचंद मिल सेंट्रल इंडिया का बेस्ट प्रोजेक्ट बनना चाहिए

नगरीय प्रशासन मंत्री और हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन विजयवर्गीय ने हुकुमचंद मिल प्रोजेक्ट के रिव्यू में बोर्ड को निर्देश दिया कि यह सेंट्रल इंडिया का बेस्ट प्रोजेक्ट होना चाहिए। इस पूरे प्रोजेक्ट में एक भी पेड़ नहीं कटना चाहिए। हरियाली का ध्यान रखते हुए इस पूरे प्रोजेक्ट को ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट पर बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों के लिए और ज्यादा घर बनाने की योजना पर काम किया जाए।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी दिनेश शर्मा द्वारा ह.न.3,पारस नगर बैरसिया रोड, फैस- II ,करोंद-जिला भोपाल 462038 (म .प्र) से प्रकाशित तथा उमा प्रिंटर्स ओल्ड पोस्ट आफिस जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित।
सम्पादक: दिनेश शर्मा, कार्यकारी संपादक चंद्रहास शुक्ल । (सभी प्रकार के विवादों का निपटारा न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा) मोबाइल नम्बर 9425028578